फाल्गुन कृष्ण - 4 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 214 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 28-02-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता : धर्मेन्द्र प्रधान

6 पंकज उधास ने गजल गायकी को दिया था नया आयाम!

7 मोदी ने बच्चों के मन से भाषायी हीन भावना खत्म करने की दिशा में काम किया : शाह

भारत सरकार

मोदी सरकार की गारंटी

जनजातीय समुदायों का सशक्तीकरण

जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण के लिए ₹ 24 हज़ार करोड़ का पीएम जनमन महाअभियान

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

हमारा संकल्प विकसित भारत

cbc 22201/13/0312/2324

फर्स्ट टेक

पूर्व न्यायाधीश ए. एम. खानविलकर किए गए लोकपाल अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ए. एम. खानविलकर को मंगलवार को लोकपाल अध्यक्ष नियुक्त किया गया। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति खानविलकर जुलाई 2022 में शीर्ष अदालत से सेवानिवृत्त हुए थे। राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश लिंगप्पा नारायण स्वामी, संजय यादव और ऋतुराज अवस्थी को भी लोकपाल के न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया।

जमात-ए-इस्लामी (जम्मू-कश्मीर) पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ गतिविधियों को जारी रखने को लेकर मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी (जम्मू कश्मीर) पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह जानकारी दी। शाह ने कहा कि देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की आतंकवाद और अलगाववाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का पालन करते हुए सरकार ने जमात-ए-इस्लामी (जम्मू कश्मीर) पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है।

आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष ने आठ विधायकों को अयोग्य ठहराया

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तम्मिनेनी सीताराम ने राज्य में चुनाव से पहले सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और विपक्षी दल तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) की शिकायतों के आधार पर उनके आठ मौजूदा विधायकों को उनके पदों से अयोग्य घोषित कर दिया। सीताराम ने वाईएसआरसीपी और तेदेपा के चार-चार विधायकों को अयोग्य करार दिया है।

28-02-2024 सूर्यास्त 6:28 बजे | 29-02-2024 सूर्योदय 6:36 बजे

BSE	NSE
73,095.22 (+305.09)	22,198.35 (+76.30)

सोना 6,459 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 72,245 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मान अपमान

मान और अपमान बन गया,
नेताओं का बस हथियार।
कब अपमानित कौन किसीसे,
न्यायालय इसका आधार।
कहे चोर को चोर अगर तो,
चोर करे कैसे स्वीकार।
सत्ताधारी ही सम्मानित,
इस पर बस उनका अधिकार।।

आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जारी किये जा सकते हैं सीएए के नियम!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जब सीएए के नियम जारी हो जाएंगे, तो मोदी सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 तक आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों - हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों - को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी।

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को तेजी से नागरिकता देने के लिए विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) के कार्यान्वयन के नियम लोकसभा चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जारी किए जाने की संभावना है। चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा होते ही आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है। चुनाव का कार्यक्रम अगले पखवाड़े में घोषित किया जा सकता है।

सूत्रों ने कहा कि आदर्श आचार संहिता प्रभाव में आने से पहले सीएए के नियम जारी किये जा सकते हैं।

जब सीएए के नियम जारी हो जाएंगे, तो मोदी सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 तक आए प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों - हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों - को भारतीय नागरिकता देना शुरू कर देगी।

सीएए दिसंबर 2019 में पारित हुआ था और इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। हालांकि, अभी तक कानून को लागू नहीं किया जा सका है और इसके क्रियान्वयन के लिए नियम जरूरी हैं।

संसद द्वारा सीएए पारित होने के बाद देश के कुछ हिस्सों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनों के दौरान और पुलिस कार्रवाई में सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। गृह मंत्रालय ने आवेदकों की सुविधा के लिए एक पोर्टल तैयार किया है और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु की रैली में कहा

'इंडि' गठबंधन ने स्वीकार कर ली है हार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 'इंडि' गठबंधन के घटक दलों ने 'हार स्वीकार कर ली है' लेकिन उनका इरादा लूटने का है। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और कांग्रेस की आलोचना की और अन्नाद्रमुक के नेताओं दिवंगत एम जी रामचंद्रन और जे जयललिता की विरासत का उल्लेख किया।

मोदी ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई की राज्यव्यापी यात्रा 'एन मन एन मक्कल' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान, केंद्र की भाजपा सरकार ने तमिलनाडु में विकास परियोजनाओं के लिए पहले की तुलना में अधिक धनराशि दी है। मोदी का 'पहले की तुलना' से आशय परोक्ष तौर पर केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन काल से था।

मोदी ने कहा, 'इंडि' के घटक दलों ने हार स्वीकार कर ली है लेकिन उनका इरादा लूटने का है। लेकिन लोगों ने ऐसे किसी भी प्रयास को रोकने का मन बना लिया है... तमिलनाडु में भी भाजपा भ्रष्टाचार की राजनीति को खत्म करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004-2014 के दौरान, लंबे समय से सहयोगी, द्रमुक और कांग्रेस ने संप्रग शासन में सत्ता साझा की लेकिन उन्होंने कभी भी तमिलनाडु के विकास को प्राथमिकता देने की जहमत नहीं उठायी। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान कोई विकास नहीं हुआ, जबकि भाजपा शासन तमिलनाडु के विकास को सुनिश्चित करने के लिए समर्पित प्रयास कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवार जीते

राज्यसभा चुनाव :

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' की आशंकाओं के बीच सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आठ और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के दो उम्मीदवार विजयी घोषित किए गए। राज्यसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर कुल 11 उम्मीदवार मैदान में थे। सपा ने तीन प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था जबकि भाजपा ने पहले सात प्रत्याशी उतारे थे लेकिन बाद में उसने संजय सेठ के रूप में आठवां उम्मीदवार भी खड़ा कर दिया था। इस वजह से चुनाव आवश्यक हो गया था।

भाजपा के सात अन्य उम्मीदवारों में पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.पी.एन. सिंह, पूर्व सांसद चौधरी तेजवीर सिंह, पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के महासचिव अमरपाल मौर्य, पूर्व राज्य मंत्री संगीता बलवंत (बिंद), पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, पूर्व विधायक साधना सिंह और आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन हैं। इन सभी ने जीत हासिल कर ली है।

सपा नेता एवं अभिनेत्री-सांसद जया बच्चन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और दलित नेता रामजी लाल सुमन को मैदान में उतारा था। इनमें से रंजन को पराजय का सामना करना पड़ा।

हिमाचल में कांग्रेस को झटका, कर्नाटक में तीन सीट मिली

बेंगलूरु/शिमला/लखनऊ/भाषा। हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में उस समय करारा झटका लगा, जब उसके विधायकों की 'क्रॉस वोटिंग' के कारण पार्टी उम्मीदवार को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वहीं, कर्नाटक में कांग्रेस तीन सीट जीतने में सफल रही। उधर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश में आठ सीट पर जबकि समाजवादी पार्टी ने दो सीट पर जीत दर्ज की। 'क्रॉस-वोटिंग' के बीच भाजपा के उम्मीदवार हर्ष महाजन ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी को पराजित कर हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा की इकलौती सीट पर मंगलवार को जीत दर्ज की। कर्नाटक में मंगलवार को राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने तीन सीट, जबकि भाजपा ने एक सीट जीती। उच्च सदन के लिए निर्वाचित उम्मीदवारों में अजय माकन, जी सी चंद्रशेखर और सैयद नासिर हुसैन (सभी कांग्रेस से) और भाजपा के नारायणसा के. भांडगे शामिल हैं। कर्नाटक में चार सीट के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें जनता दल (सेक्युलर) के उम्मीदवार डी. कुपेंद्र रेड्डी भी शामिल थे।

जासूसी के आरोप में बीकानेर से कैंटीन संचालक गिरफ्तार

जयपुर/भाषा। पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों के लिए जासूसी करने को लेकर बीकानेर जिले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह सूचना दी। उनके अनुसार आरोपी सैन्य क्षेत्र 'महाजन' में कैंटीन चलाता है जो 'हनीट्रैप' में फंसकर सामरिक महत्व की सूचनाएं पाक 'हैंडलर' को दे रहा था।

अतिरिक्त महानिदेशक (पुलिस खुफिया) संजय अग्रवाल ने बताया कि राजस्थान खुफिया विभाग ने मिलट्री इंटेलिजेंस (सैन्य खुफिया शाखा), बीकानेर के साथ संयुक्त कार्रवाई कर पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी के लिए जासूसी कर रहे 'उपर का बास' गांव (बीकानेर जिले) के निवासी विक्रम सिंह (31) को गिरफ्तार किया है।

अग्रवाल ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों पर राजस्थान खुफिया विभाग द्वारा सतत निगरानी के दौरान पता चला कि विक्रम सिंह सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया हैंडलर के निरंतर संपर्क में है।

भारतीय नौसेना वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएगी : नौसेना प्रमुख

तिरुवनंतपुरम/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने यहां कहा कि औपनिवेशिक काल के सभी अवशेषों का परित्याग करते हुए भारतीय नौसेना बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है और वर्ष 2047 तक यह पूरी तरह 'आत्मनिर्भर' सेना होगी।

नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के बाद मीडिया से यहां बातचीत में हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना महान उपलब्धियां हासिल कर रही है और 33 पनडुब्बी तथा 63 पोतों का निर्माण खुद से कर सकती है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर बनना है और तब तक सभी पनडुब्बियां, विमान और हथियार भारत में बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उद्योग को 75 चुनौतियां दी गईं और उद्योग से शानदार प्रतिक्रिया मिली। हरि कुमार ने कहा, उनमें से कुछ पहले ही अनुबंध में शामिल हो चुके हैं और कुछ उत्पाद पहले ही शामिल किए जा चुके हैं। बहुत सारी नवीन तकनीक और उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती कार्यक्रम के माध्यम से नौसेना अगले सात वर्षों में काफी युवा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नौसेना के कर्मचारियों की औसत उम्र 26 वर्ष होगी।

नौसेना प्रमुख ने कहा, हम जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

मोदी ने गगनयान मिशन के लिए नामित चार अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान मिशन के लिए नामित किये गए अंतरिक्ष यात्री हैं।

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उन चार अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा की जो देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन-'गगनयान' के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने थुंबा स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान मिशन के लिए नामित किये गए अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने इन चारों को 'अंतरिक्ष यात्री पंख' प्रदान किये।

मोदी ने इन चार अंतरिक्ष यात्रियों को ''चार ताकतें'' करार दिया, जो देश के 1.4 अरब लोगों की आकांक्षाओं को समाहित करती हैं। मोदी ने कहा कि चार दशक बाद कोई भारतीय, अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार है और ''इस बार उलटी गिनती (काउंटडाउन), समय और यहां तक कि रॉकेट भी हमारा है।

इस अंतरिक्ष मिशन के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये चार अंतरिक्ष यात्री सिर्फ चार नाम या व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि वे 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को अंतरिक्ष में ले जाने वाली चार 'शक्तियां' हैं।

ಪಿಎಂ ಶ್ರೀ ಕೇಂದ್ರೀಯ ವಿದ್ಯಾಲಯ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, 18 ನೇಕ್ರಾಸ್, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು,

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, मल्लेश्वरम
18वाँ क्रॉस, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु - 560055

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA, MALLESWARAM, 18th Cross, Malleswaram, Bengaluru-560055

KV Code: 1049 Region code: 02 Station Code: 027

No. F.13350/2024-25/KVM/ Date : 15.02.2024

संविदात्मक शिक्षकों के लिए साक्षात्कार

सत्र 2024-25 के लिए निम्नलिखित पदों के लिए संविदा आधार पर दिनांक 28.02.2024 को प्रदत्त सूचना के अनुसार प्रवेश साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा ।

क्र. सं.	पद / विषय	साक्षात्कार की तिथि और समय
1.	स्नातकोत्तर शिक्षक (पीजीटी) - अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य और कंप्यूटर विज्ञान ।	28.02.2024 को सुबह 8.30 बजे से सुबह 11.30 बजे तक 8.30 AM - 11.30 AM
2.	प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(टीजीटी) - अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गणित, सामाजिक-अध्ययन और विज्ञान ।	
3.	प्राथमिक शिक्षक	
4.	संगणक अनुदेशक, कन्नड़ा अनुदेशक, चिकित्सक, नर्स, खेल प्रशिक्षक, योग अनुदेशक, शैक्षणिक परामर्शदाता (काउंसलर), विशेष शिक्षक और बालवाटिका-3 (पूर्व-प्राथमिक शिक्षक)	

योग्यता मानदंड आदि के संबंध में अधिक जानकारी के लिए आप हमारी वेबसाइट - https://malleshwaram.kvs.ac.in का अवलोकन करें । अभ्यर्थी साक्षात्कार के समय अपने सभी मूल दस्तावेज़ (डॉक्युमेंट्स) छायाप्रति सहित लेकर आएँगे ।

प्राचार्य / PRINCIPAL

बिना चालक के 75 किमी तक दौड़ी मालगाड़ी,

चालक व स्टेशन मास्टर की गलती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलवे के जम्मू तवी-पठानकोट खंड में कठुआ (जम्मू) से ऊंची बस्सी स्टेशन (पंजाब) के बीच करीब 75 किलोमीटर तक एक मालगाड़ी के बिना चालक के पटरी पर दौड़ने की घटना की प्राथमिक जांच से यह पता चला है कि लोको-पायलट (चालक) और स्टेशन मास्टर, दोनों ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में नाकाम रहे। रेलवे के एक आधिकारिक पत्राचार के अनुसार, चालक रहित ट्रेन 70 से 75 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी। इसने आठ से नौ स्टेशन पार किए और 75 किमी की दूरी तय की, जिसके बाद इसे पटरी पर रेत और लकड़ी के 'ब्लॉक' जैसे अवरोधक डालकर ऊंची बस्सी में रोका गया।

रेलवे के पांच वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित संयुक्त जांच रिपोर्ट में, घटना में शामिल विभिन्न व्यक्तियों के बयान दर्ज किए गए हैं और घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया है जो चालक और कठुआ के स्टेशन मास्टर द्वारा कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरते जाने की ओर इशारा करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, लोको-पायलट ने अपने बयान में दलील दी है कि मालगाड़ी के इंजन और तीन डिब्बे को स्थिर रखने के लिए 'हैंड ब्रेक' लगाने के अलावा उन्होंने पहिये के आगे लकड़ी के दो टुकड़े भी लगाये थे ताकि ट्रेन वहीं रुकी रहे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जब मालगाड़ी को ऊंची बस्सी में स्टेशन मास्टर ने रोका और मुआयना किया, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई, यह पाया गया कि डिब्बों की 'हैंड ब्रेक' लगी हुई स्थिति में नहीं थी।

न्यायालय ने दावों, विज्ञापनों से जुड़े हलफनामे के उल्लंघन को लेकर पतंजलि आयुर्वेद को लगाई फटकार

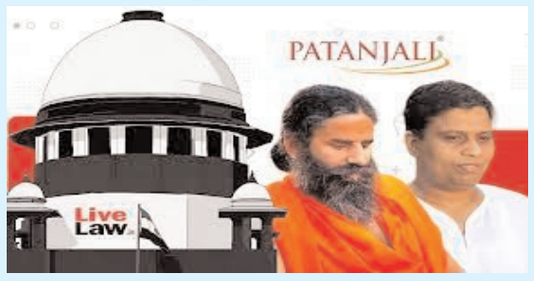

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने योग गुरु रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के उत्पादों के बारे में अदालत में दिए गए हलफनामे और उनके औषधीय प्रभाव का दावा करने वाले बयानों के प्रथम दृष्टया उल्लंघन को लेकर मंगलवार को उसे कड़ी फटकार लगाई।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए. अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद एवं इसके प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी किया तथा पूछा कि उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों न की जाए। पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और इसके अधिकारियों को दवा की किसी भी पद्धति के विरुद्ध प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक, दोनों मीडिया में उसे किसी भी रूप में कोई बयान देने के खिलाफ आगाह भी किया, जैसा कि उन्होंने न्यायालय के समक्ष अपने हलफनामे में कहा था। कंपनी का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने पिछले साल 21 नवंबर को शीर्ष अदालत को आश्वस्त किया था कि अब से कानून का किसी तरह से भी उल्लंघन नहीं किया जाएगा, खासतौर पर विज्ञापन जारी करने या उत्पादों की 'ब्रांडिंग' करने में। साथ ही, पतंजलि के उत्पादों के औषधीय प्रभाव का दावा करने वाला कोई बयान नहीं दिया जाएगा, ना ही इलाज की किसी भी पद्धति के खिलाफ तथ्य रहित बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी किया जाएगा। इसके बाद, शीर्ष अदालत ने कंपनी को कई रोगों के उपचार के लिए अपनी दवाइयों के बारे में विज्ञापनों में 'झूठे' और 'गुमराह करने वाले' दावे करने के खिलाफ आगाह किया था। न्यायालय इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें आरोप लगाया गया है कि टीकाकरण और आधुनिक दवाइयों के खिलाफ रामदेव द्वारा एक दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है।

सीतारमण को भरोसा, उद्योग जगत देश के विकास लक्ष्यों के अनुरूप काम करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भरोसा जताया कि भारतीय उद्योग जगत आजादी की 100वीं वर्षगांठ पर 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र या 'विकसित भारत' बनाने के उद्देश्य से देश के विकासात्मक लक्ष्यों के साथ खुद को जोड़ लेगा।

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया है कि आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर भारत प्रदान करने के लिए 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है। उद्योग निकाय फिक्की द्वारा आयोजित 'विकसित भारत2047: विकसित भारत और उद्योग' पर एक सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में उद्योग जगत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

सीतारमण ने कहा, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आप भारत के साथ थे, आपने औपनिवेशिक दबाव के बावजूद उद्योग और क्षमता का निर्माण किया... इसलिए भारतीय उद्योग ने हमेशा उस भावना को बनाए रखा है और बाधाओं के बावजूद राष्ट्रीय हित में आगे बढ़ता रहा। उन्होंने कहा, मैं नहीं समझ पा रही हूं कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के इस खेल में उन्हें कैसे छोड़ा जाएगा। इसलिए भारत के उद्योग के लिए यह स्वाभाविक होना चाहिए कि वह खुद को भारत के विकासात्मक हितों के साथ जोड़ ले, और आखिरकार उद्योग ही पहला योगदानकर्ता और प्रथम लाभार्थी होगा। वित्त मंत्री ने उद्योग जगत को यह आश्वासन भी दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार जारी रहेंगे।

टीपी चंद्रशेखरन हत्या मामले में अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने वर्ष 2012 के सनसनीखेज टीपी चंद्रशेखरन हत्याकांड में दोषी ठहराए गए सभी आरोपियों को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति कौसर एडप्पागथ की खंडपीठ ने कहा कि सभी नौ दोषी तब तक किसी भी तरह की छूट के पात्र नहीं होंगे जब तक कि वे 20 साल जेल में नहीं काट लेते। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा हत्या के मामले में सभी आरोपियों को दोषी ठहराये जाने के बाद 19 फरवरी को उच्च न्यायालय ने सभी आरोपियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था।

उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ न्यायालय के फैसले की पुष्टि करते हुए आरोपी अनूप, मनोज उर्फ किरमानी मनोज, एन के सुनील कुमार उर्फ कोडी सुनी, टी के राजेश, के के मुहम्मद शफी, एस सिजिथ, के शिनोज, के सी रामचंद्रन, मनोजन और कुन्हानंदन की दोषीसिद्धि को बरकरार रखा था। अपीलों के लंबित रहने के दौरान आरोपी कुन्हानंदन की मौत हो गई थी।

भाजपा की लोकसभा सीट घटाने के लिए हुआ 'इंडि' गठबंधन का गठन : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नीत 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडि) का गठन लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी की सीट कम करने के लिए हुआ है ना कि अपने सहयोगी दलों की सीट घटाने के लिए। अब्दुल्ला ने दोहराया कि उनकी पार्टी कश्मीर की उन तीन सीट में से कोई सीट नहीं 'छोड़ेगी' जिस पर इसने पिछले लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की थी।

पूर्व मुख्यमंत्री उन अटकलों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि 'इंडिया' गठबंधन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लोकसभा चुनाव के लिए सीट-बंटवारे पर एक समझौते पर पहुंच गया है जिसके तहत कांग्रेस जम्मू, उधमपुर (जम्मू क्षेत्र में) और लद्दाख निर्वाचन क्षेत्रों पर लड़ेगी जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) श्रीनगर और बारामूला सीट पर लड़ेगी वहीं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अनंतनाग सीट पर लड़ेगी।

वर्ष 2019 के आम चुनाव में नेकां ने श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग सीट जीती थीं और भाजपा ने जम्मू, उधमपुर और लद्दाख सीट पर विजय हासिल की थी। उमर ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, हमें एक सीट क्यों छोड़नी चाहिए? 'इंडिया' गठबंधन का मकसद भाजपा की सीट कम करना है ना कि गठबंधन के सदस्यों की सीट कम करना है। हम केवल तीन सीट पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के भागीदारों के बीच सीट समझौते को लेकर हाल में नई दिल्ली में केवल एक दौर की चर्चा हुई है।

'पांच से छह कांग्रेस विधायकों को 'अगवा' किया गया, सीआरपीएफ व हरियाणा पुलिस अपने साथ ले गई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

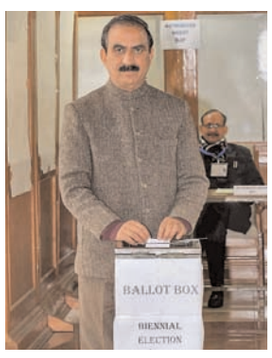

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के पांच से छह विधायकों को अगवा कर लिया गया और उन्हें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) तथा हरियाणा पुलिस के काफिले में साथ ले जाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इन विधायकों के परिजन उनसे (विधायकों से) संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। 'क्रॉस वोटिंग' (पार्टी व्हिप से हटकर मतदान करने) को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में जारी चिंताओं के बीच राज्य से राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए मतदान समाप्त होने के कुछ घंटे बाद यह आरोप लगाया गया है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भाजपा गुंडागर्दी में लिप्त है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

ईडी ने धनशोधन मामले में अरविंद केजरीवाल को फिर जारी किया समन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति संबंधी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आठवीं बार समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को यहां एजेंसी के मुख्यालय में चार मार्च को आने को कहा गया है। केजरीवाल (55) इस मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए थे। यह सातवीं बार है जब केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के समन पर एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने कहा था कि अगर अदालत इस संबंध में आदेश देगी तो वह प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होंगे। समन पर केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने शहर की एक अदालत का रुख किया, जिस पर अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है।

मुंबई में छोटा राजन गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने वर्ली से छोटा राजन गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है और उससे देसी पिस्तौल और कारतूस बरामद किये हैं। अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान श्याम तांबे उर्फ सेवियो रॉड्रिग्स (42) के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार किया गया।

अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस की अपराध शाखा को विशेष सूचना मिली थी कि तांबे मध्य मुंबई में वर्ली के जीजामाता नगर इलाके में आ रहा है। सूचना के अनुसार जाल बिछाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक देसी पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किये गए। उन्होंने कहा, वर्ली पुलिस थाने में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि तांबे छोटा राजन गिरोह का सक्रिय सदस्य था और उस पर मुंबई के विभिन्न पुलिस थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी और शस्त्र अधिनियम सहित कई मामले दर्ज थे।

ऑनलाइन कर्ज वितरण से जुड़ी चीनी कंपनियों के खिलाफ जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऐप के जरिये ऑनलाइन कर्ज वितरण से जुड़ी कंपनियों समेत कई चीनी फर्मों के खिलाफ कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय जांच कर रहा है। इनमें से कुछ जांच अग्रिम चरण में पहुंच चुकी हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

गैरकानूनी ढंग से कर्ज वितरण ऐप का संचालन करने वाली कंपनियों के खिलाफ हाल में जांच तेज हुई है। इसके अलावा मंत्रालय लाभकारी स्वामित्व को छिपाने के लिए कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मंत्रालय विभिन्न चीनी कंपनियों, खासकर कर्ज ऐप से जुड़ी कंपनियों के खिलाफ पड़ताल कर रहा है और इनमें से कुछ जांच अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी कानून लागू करने के लिए जिम्मेदार मंत्रालय यह देख रहा है कि क्या इन कंपनियों में कोई धोखाधड़ी हुई है। कुछ मामलों की जांच गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) कर रहा है।

अधिकारी के मुताबिक, रिजर्व बैंक और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय समेत अन्य इकाइयों से मिली शिकायतों के आधार पर भी संबंधित कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू की जाती है।

हालांकि, कुछ कंपनियों के वित्तपोषण स्रोतों का पता लगाना कभी-कभी मुश्किल होता है लेकिन कंपनियों के लाभकारी स्वामित्व का पता लगाने के प्रयास किए जाते हैं।

कांग्रेस और कम्युनिस्ट केरल में दुश्मन, लेकिन बाकी जगह अच्छे मित्र हैं : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ मजबूत विकल्प तैयार करने का प्रयास कर रहे कांग्रेस और कम्युनिस्ट दलों पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि वे केरल में एक-दूसरे के दुश्मन हैं, लेकिन अन्य राज्यों में 'बीएफएफ' यानी ''हमेशा के लिए सबसे अच्छे दोस्त'' हैं। मोदी ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में भाजपा की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह में विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उसके पास देश की प्रगति के लिए कोई खाका नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह मान चुका है कि वह इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत नहीं पाएगा, इसीलिए उसके नेता उन्हें 'भला-बुरा' कहने की रणनीति अपना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक-दूसरे के दुश्मन हैं, लेकिन अन्य राज्यों में वे 'बीएफएफ' हैं। बीएफएफ का मतलब है-हमेशा के लिए सबसे अच्छे दोस्त। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री (पिनराई विजयन) पर भ्रष्टाचार एवं घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया और वाम सरकार को फासीवादी करार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, इसके जवाब में कम्युनिस्टों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कराया और उनके पूर्ववर्ती प्रशासनों पर विभिन्न घोटालों में शामिल होने का आरोप लगाया, लेकिन केरल के बाहर 'इंडी' गठबंधन की बैठकों में वे एक साथ बैठते हैं, समोसे और बिस्कुट खाते हैं और चाय पीते हैं। उन्होंने कहा, यानी तिरुवनंतपुरम में वे कुछ और कहते हैं तथा दिल्ली में कुछ और कहते हैं। केरल के लोग आगामी लोकसभा चुनावों में इस विश्वासघात का जवाब देंगे।

कांग्रेस पर हमला करते हुए मोदी ने गांधी परिवार का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि सबसे पुरानी पार्टी का इतिहास दिखाता है कि वह दशकों तक देश को एक परिवार के नियंत्रण में रखने में कैसे कामयाब रही। उन्होंने आरोप लगाया, उनके (कांग्रेस) लिए उस परिवार के हित देश के अन्य सभी परिवारों से ऊपर हैं। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट भी अब वही रवैया अपना रहे हैं। लोकसभा में वायनाड सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले राहुल गांधी के परोक्ष संदर्भ में मोदी ने कहा कि कम्युनिस्ट, कांग्रेस को अपने 'युवराज' को केरल से बाहर रखने की सलाह दे रहे हैं।

मोदी ने अपने संबोधन में केरल के लोगों से आग्रह किया कि वे आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में उनकी पार्टी को दोहरे अंकों में सीट जिताकर अपना आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती। मोदी ने दावा किया कि पिछले 10 साल में केरल को अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह ही विकास से लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि यह उनकी गारंटी है कि वह केरल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। मोदी ने कहा, राज्य सरकार के लगातार असहयोग के बावजूद, केरल अभी भी हमारी प्राथमिकता बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ-साथ देश से गरीबी और भ्रष्टाचार मिटाना 'मोदी की गारंटी' है।

जरांगे की टिप्पणी: महाराष्ट्र में अशांति फैलाने की साजिश की एसआईटी जांच के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मंगलवार को सरकार को निर्देश दिया कि वह एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करके उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की विवादास्पद टिप्पणी की व्यापक जांच करे।

सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों ने जरांगे की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में अशांति फैलाने की साजिश थी। सत्ता पक्ष के सदस्य हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अपनी-अपनी सीट पर खड़े हो गए। इसके बाद नार्वेकर ने सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी। जब सदन एक बार समवेत हुआ तो अध्यक्ष ने सरकार को फडणवीस के खिलाफ जरांगे की टिप्पणियों की व्यापक जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया। राज्य के जालना जिले के अंतरवाली सरती गांव में जरांगे ने आरोप लगाया था कि फडणवीस उनकी हत्या कराने कोशिश कर रहे हैं। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता ने यह भी कहा कि वह मुंबई कूच करेंगे और उपमुख्यमंत्री के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे। जरांगे ने दावा किया था कि उन्हें सलाइन के जरिये जहर देने की कोशिश की गई थी, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। यह मुद्दा निचले सदन में आशीष शेलार (भाजपा) ने उठाया। उन्होंने कहा कि हिंसा भड़काने के लिए उकसाने वाली भाषा का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने यह पता लगाने का अनुरोध किया कि जरांगे के इस कृत्य के पीछे किसका हाथ है और किसका उद्देश्य यह कहकर राज्य में अशांति पैदा करना था कि महाराष्ट्र को जला दिया जाएगा।

शेलार ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र को अस्थिर करने और बहादुर एवं अनुशासित माने जाने वाले मराठा समुदाय को बदनाम करने की साजिश रची गई। भाजपा नेता ने कहा, हम जरांगे की मांगों का समर्थन कर रहे हैं, लेकिन देवेन्द्र फडणवीस के खिलाफ उनकी धमकी भरी टिप्पणियों के आलोचक हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
PURVA BLUE BELLE
Adjacent to Magadi Road Metro Station
(Purple lane) Rajajinagar
3 Bedroom Jodi units
5 Bedroom + Servant room with all Luxurious Amenities.
Direct metro from here to ITPL (white field) / KR PURAM/ BYYAPPANAHALLI .
Very good Convenience those who are working above areas.
Only few units left for Sale.
Contact Owner: 9844027560

सौतेली मां से परेशान लड़की ने प्रेमी की मदद से अपना बाल विवाह रुकवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में सौतेली मां की कथित पिटाई से परेशान 17 वर्षीय लड़की ने प्रेमी के जरिये प्रशासन में शिकायत दर्ज कराई और एक अन्य व्यक्ति से अगले महीने होने वाला अपना बाल विवाह रुकवा दिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

बाल विवाह के खिलाफ महिला और बाल विकास विभाग के गठित उड़नदस्ते के प्रभारी महेंद्र पाठक ने बताया कि यहां से करीब 15 किलोमीटर दूर मिर्जापुर गांव में रहने वाली इस नाबालिग लड़की की एक व्यक्ति से 11 मार्च को शादी होने वाली थी। उन्होंने बताया कि लड़की इस बाल विवाह के लिए राजी नहीं थी और वह एक अन्य व्यक्ति से प्रेम करती है।

पाठक ने बताया कि नाबालिग लड़की ने अपने प्रेमी के जरिये प्रशासन से उसके बाल विवाह की तैयारियों के बारे में शिकायत की। उन्होंने बताया,इस शिकायत के आधार पर जब हम सोमवार रात बच्ची के पास पहुंचे, तो वह बुरी तरह रोने लगी। इसका कारण पूछे जाने पर उसने बताया कि उसकी सौतेली मां उसे बात-बात पर आए दिन पीटती है और वह अभी शादी नहीं करना चाहती।

पाठक ने बताया कि लड़की के परिजनों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देकर उसका बाल विवाह रुकवा दिया गया है और उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की निगरानी में रखा गया है।

राज्यसभा चुनाव

कर्नाटक में कांग्रेस ने तीन, भाजपा ने एक सीट जीती

► भाजपा के एक विधायक ने की क्रॉस वोटिंग ► भाजपा के एक अन्य विधायक रहे अनुपस्थित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में मंगलवार को राज्यसभा चुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने तीन सीट, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक सीट जीती। इस चुनाव में क्रॉस वोटिंग हुई जो भाजपा के लिए एक झटका है। उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए व्यक्तियों में अजय माकन, जी सी चंद्रशेखर और सैयद नासिर हुसैन (सभी कांग्रेस से) और भाजपा के नारायणसा के. भांडगे शामिल हैं। इस चुनाव में निर्वाचित विधायकों ने मतदान किया। चुनाव में चार सीट के लिए पांच उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें जनता दल (एस) के उम्मीदवार डी. कुपेंद्र रेड्डी भी शामिल थे। रेड्डी चुनाव हार गए। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रत्येक विधायक के वोट का मूल्य 100 है और एक उम्मीदवार के चुनाव जीतने के लिए जरूरी वोटों की संख्या 4,441 है। माकन, हुसैन और भांडगे को 4,700-4,700 वोट और चन्द्रशेखर को 4,500 वोट मिले। रेड्डी को केवल 3,600 वोट मिले और इसलिए वह चुनाव हार गए।

भाजपा विधायक एस टी सोमशेखर ने माकन के पक्ष में मतदान किया, जबकि पार्टी के एक अन्य विधायक ए शिवराम हेब्बार अनुपस्थित रहे। भाजपा ने कहा कि वह उन पर कानूनी कार्रवाई करने की संभावना तलाश रही है और पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए जारी व्हिप का उल्लंघन करने के लिए उन्हें विधानसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग करते हुए विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर के पास शिकायत दर्ज कर रही है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, ''हमें जानकारी मिली है कि सोमशेखर ने क्रॉस वोटिंग की है। मैंने वकील विवेक रेड्डी से सलाह ली, जो हमारे प्रदेश कानूनी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और उच्च न्यायालय के वकील हैं। हम विधानसभा अध्यक्ष से उनके (सोमशेखर) के खिलाफ (अयोग्यता की) कार्रवाई शुरू करने के लिए कहेंगे और कानून के अनुसार कदम उठाने की संभावना तलाशेंगे।''

सोमशेखर पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वह राज्य की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में मंत्री थे और तब उन्हें मैसूरू जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया था। हाल के महीनों में, सोमशेखर और हेब्बार ने स्वयं को भाजपा से दूर कर लिया था और तेजी से कांग्रेस के साथ पहचान बनाने लगे थे।

भाजपा (66 विधायक) और जनता दल (एस) (19 विधायक) ने संयुक्त रूप से कुपेंद्र रेड्डी को मैदान में उतारा था,

हालांकि उनके पास उन्हें निर्वाचित कराने के लिए आवश्यक वोट नहीं थे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटकों ने कहा कि वे प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस खेमे से रेड्डी के पक्ष में अंतरात्मा के वोट की उम्मीद कर रहे थे। विधानसभा में कांग्रेस के 134 सदस्य हैं। दो निर्दलीय सहित चार अन्य सदस्य भी हैं। सोमशेखर ने कहा कि ''उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया, जिसने उनके निर्वाचन क्षेत्र में विद्यालय बनाए और विकास कार्य किए।'' हेब्बार ने भी कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भाजपा एमएलसी एन रवि कुमार ने सोमशेखर और हेब्बार के कदम पर कहा, 'यह 'अंतरात्मा की आवाज' (विवेक) नहीं बल्कि (विश्वासघात) है।' भाजपा और जदएस कार्यकर्ताओं ने सोमशेखर के खिलाफ बेंगलूरु में प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका।

उपमुख्यमंत्री एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने भाजपा और जदएस का मखौल उड़ाते हुए कहा, 'अंतरात्मा से वोट मांगने वाले' 'अंतरात्मा से वोट देने वाले' बन गए हैं।'' शिवकुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, मुझे क्रॉस वोटिंग के बारे में नहीं पता। मैंने अन्य और निर्दलीयों के वोट नहीं देखे हैं। भाजपा से पूछिए, जिसने अंतरात्मा के वोट की बात की थी। यह पूछे जाने पर कि अंतरात्मा की आवाज से कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने वालों के लिए क्या कानूनी समर्थन है, उन्होंने कहा, जब ऐसा होगा तो इस बारे में बात करेंगे। मुझे क्रॉस-वोटिंग के संबंध में विधानसभाध्यक्ष के पास कोई शिकायत दिये जाने की जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा, सोमशेखर ने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर वोट दिया है। यह अपवित्र भाजपा-जद(एस) गठबंधन के खिलाफ वोट है। आम जनता, स्नातकों और शिक्षकों ने गठबंधन को खारिज कर दिया है। देखते हैं विधायक क्या सोचते हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने पहले जदएस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि पार्टी ने उनके विधायकों को लुभाने और धमकाने की कोशिश की थी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सवाल किया, ''जदएस को (अपने उम्मीदवार की) जीत के लिए 45 वोट की जरूरत है। क्या उनके पास इतने वोट हैं? भले ही उनके पास पर्याप्त वोट नहीं हैं, फिर भी उन्होंने उम्मीदवार खड़ा किया और हमारे विधायकों को प्रलोभन दे रहे हैं। क्या उनके पास जमीर है?'' उन्होंने कहा, ''हमें धमकी देने के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।''

सिद्दरामैया कहा, जब जदएस के पास 'आत्मा' नहीं है, तो उसके पास 'अंतरात्मा की आवाज' कैसे हो सकती है? वे खुद को जनता दल (सेक्युलर) कहते हैं लेकिन वे किसके साथ गए?'' उनका इशारा जद (एस) के भाजपा के साथ गठबंधन की ओर था।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य से राज्यसभा चुनाव लड़ रहे जदएस नेता डी कुपेंद्र रेड्डी और उनके सहयोगियों के खिलाफ बेंगलूरु के विधान सौधा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। जदएस के प्रदेश प्रमुख कुमारस्वामी ने दावा किया, ''कर्नाटक सर्वोदय पक्ष के मेलुकोटे विधायक दर्शन पुत्तनैया ने भी कहा है कि यह सच है कि उनसे वोट मांगा गया था, लेकिन किसी ने उन्हें प्रलोभन नहीं दिया।''

कुमारस्वामी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने फैसला किया था कि 19 जद (एस) विधायकों के वोट और पहली प्राथमिकता वोट के बाद भाजपा के अतिरिक्त वोट कुपेंद्र रेड्डी को जाएंगे। सिद्दरामैया ने कुपेंद्र रेड्डी को निर्वाचित कराने के लिए कांग्रेस विधायकों को कथित तौर पर लुभाने की कोशिश करने के लिए जनता दल (एस) की आलोचना की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, ''जद (एस) को (अपने उम्मीदवार की) जीत के लिए 45 वोट की जरूरत है। क्या उनके पास इतने वोट हैं? भले ही उनके पास पर्याप्त वोट नहीं हैं, फिर भी उन्होंने उम्मीदवार खड़ा किया और हमारे विधायकों को प्रलोभन दे रहे हैं। क्या उनके पास जमीर है?'' उन्होंने कहा, ''हमें धमकी देने के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हमारे तीनों उम्मीदवार जीतेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है।'' सिद्दरामैया ने हालांकि यह नहीं बताया कि प्राथमिकी किसके खिलाफ है और कहां दर्ज की गई है।

सिद्दरामैया यहां विधान सौध में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के साझेदार की आलोचना करते हुए कहा, ''जब जद (एस) के पास 'आत्मा' नहीं है, तो उसके पास 'अंतरात्मा की आवाज' कैसे हो सकती है? वे खुद को जनता दल (एस) कहते हैं लेकिन वे किसके साथ गए?'' उनका इशारा जद (एस) के भाजपा के साथ गठबंधन की ओर था।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी खेमे से वोट मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि उनकी सरकार के अच्छे कार्यों के कारण दूसरे पक्ष से वोट मिल सकते हैं। जद (एस) के आरोपों पर कि कांग्रेस ने उनकी पार्टी के विधायकों से संपर्क किया था, सिद्दरामैया ने कहा कि जब कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या में विधायक हैं, तो विपक्ष के विधायकों को लुभाने की कोई जरूरत नहीं है।

आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने फूंका सोमशेखर का पुतला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले बीजेपी विधायक एसटी सोमशेखर के खिलाफ जेडीएस और बीजेपी पार्टी कार्यकर्ताओं ने भारी विरोध प्रदर्शन किया। जैसे ही एसटी सोमशेखर के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की खबर कानों में पड़ी, दोनों दलों के नाराज कार्यकर्ताओं ने जेडीएस शहर इकाई के अध्यक्ष एचएम रमेश गौड़ा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि भाजपा पार्टी से जीते एसटी सोमशेखर ने राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी को धोखा दिया है।

इस मौके पर रमेश गौड़ा ने मीडिया से बात की; विधायक एसटी सोमशेखर को विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दल-बदल निषेध अधिनियम के तहत अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि क्रॉस वोट करने के लिए उन्हें कांग्रेस से 25 करोड़ रुपये मिले थे। अगर उन्हें विधायक पद से अयोग्य नहीं ठहराया गया तो कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि कल से ही बेंगलूरु शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने एसटी सोमशेखर का पुतला फूंका और अपना आक्रोश जताया।

निर्मला सीतारमण, जयशंकर लड़ेंगे लोकसभा चुनाव : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा है कि केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और एस. जयशंकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। जोशी ने साथ ही कहा कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि वे कहां से चुनाव लड़ेंगे।

कोयला एवं खान मंत्री जोशी ने कहा, ''मीडिया में ये खबरें आ रही है। कमोबेश यह तय है कि वे (निर्मला सीतारमण और जयशंकर) लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि वे कहां से लड़ेंगे। यह तय नहीं है कि वह कर्नाटक से लड़ेंगे या किसी और राज्य से।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वे बेंगलूरु से लड़ सकते हैं, जोशी ने कहा, ''जब कुछ भी तय नहीं हुआ है तो मैं इसका उत्तर कैसे दे सकता हूं।'' केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण और विदेश मंत्री जयशंकर क्रमशः कर्नाटक और गुजरात से राज्यसभा सदस्य हैं।

कांग्रेस विधायकों को 'धमकी देने' के लिए जद (एस) उम्मीदवार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि राज्य से राज्यसभा चुनाव लड़ रहे जद (एस) नेता डी कुपेंद्र रेड्डी और उनके सहयोगियों के खिलाफ बेंगलूरु के विधान सौधा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने भी इसकी पुष्टि की कि राज्यसभा चुनाव के संबंध में कांग्रेस विधायकों को धमकी देने को लेकर एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जनता दल (एस) नेता कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस नेताओं ने न केवल अपने विधायकों को बार-बार प्रलोभन और धमकी दिये जाने की बात कही, बल्कि कुपेंद्र रेड्डी और उनके सहयोगियों के खिलाफ एक प्राथमिकी भी दर्ज करायी।

कुमारस्वामी ने कहा कि शिकायतकर्ता विधायक ने यह नहीं कहा कि उन्हें प्रलोभन दिया गया, बल्कि यह कहा कि कुछ अन्य विधायकों से ''संपर्क'' किया गया था। जद (एस) के प्रदेश प्रमुख कुमारस्वामी ने दावा किया, ''कर्नाटक सर्वोदय पक्ष के मेलुकोटे विधायक दर्शन पुत्तनैया ने भी कहा है कि यह सच है कि उनसे वोट मांगा गया था, लेकिन किसी ने उन्हें प्रलोभन नहीं दिया।''

कुमारस्वामी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जद (एस) ने फैसला किया था कि 19 जद (एस) विधायकों के वोट और पहली प्राथमिकता वोट के बाद भाजपा के अतिरिक्त वोट कुपेंद्र रेड्डी को जाएंगे। सिद्दरामैया ने कुपेंद्र रेड्डी को निर्वाचित कराने के लिए कांग्रेस विधायकों को कथित तौर पर लुभाने की कोशिश करने के लिए जनता दल (एस) की आलोचना की।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, ''जद (एस) को (अपने उम्मीदवार की) जीत के लिए 45 वोट की जरूरत है। क्या उनके पास इतने वोट हैं? भले ही उनके पास पर्याप्त वोट नहीं हैं, फिर भी उन्होंने उम्मीदवार खड़ा किया और हमारे विधायकों को प्रलोभन दे रहे हैं। क्या उनके पास जमीर है?'' उन्होंने कहा, ''हमें धमकी देने के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। हमारे तीनों उम्मीदवार जीतेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है।'' सिद्दरामैया ने हालांकि यह नहीं बताया कि प्राथमिकी किसके खिलाफ है और कहां दर्ज की गई है।

सिद्दरामैया यहां विधान सौध में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के साझेदार की आलोचना करते हुए कहा, ''जब जद (एस) के पास 'आत्मा' नहीं है, तो उसके पास 'अंतरात्मा की आवाज' कैसे हो सकती है? वे खुद को जनता दल (एस) कहते हैं लेकिन वे किसके साथ गए?'' उनका इशारा जद (एस) के भाजपा के साथ गठबंधन की ओर था।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी खेमे से वोट मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि उनकी सरकार के अच्छे कार्यों के कारण दूसरे पक्ष से वोट मिल सकते हैं। जद (एस) के आरोपों पर कि कांग्रेस ने उनकी पार्टी के विधायकों से संपर्क किया था, सिद्दरामैया ने कहा कि जब कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या में विधायक हैं, तो विपक्ष के विधायकों को लुभाने की कोई जरूरत नहीं है।

आर्थिक रूप से पिछड़े ब्राह्मण-आर्य वैश्य समाज के छात्रों को छात्रवृत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने मंगलवार को ब्राह्मण और आर्य वैश्य समाज के 4067 छात्रों को 5.53 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति सीधे नकद हस्तांतरण के माध्यम से छात्रों के खातों में हस्तांतरित की। पैसे ट्रांसफर करने के बाद मंत्री ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और कहा, 'आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए ब्राह्मण और आर्य वैश्य विकास निगम द्वारा छात्रवृत्ति दी जा रही है। दोनों समाजों के 4,000 से अधिक छात्र जो स्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें पहले ही सीधे नकद हस्तांतरण के माध्यम से उनके बैंक खातों में जमा कर दिया गया है। विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाकर बेहतर भविष्य बनाना चाहिए। कर्नाटक राज्य ब्राह्मण विकास बोर्ड की प्रबंध निदेशक श्रीमती पीवी पूर्णिमा और कर्नाटक आर्य वैश्य सामुदायिक विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रीमती दीपाश्री इस मौके पर उपस्थित थीं।

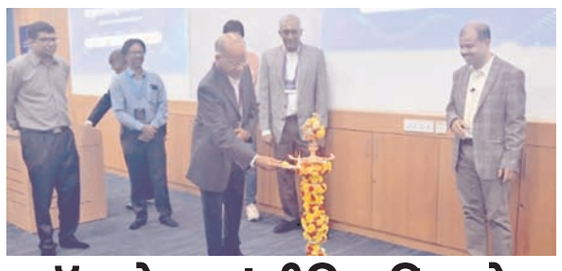

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग क्षेत्र में भर्तियों की संभावनाएं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी बेंगलूरु (आई आई आई टी बी) में तीन दिवसीय इनोवेशन इन सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग कॉन्फ्रेंस (आईएसईसी) का आयोजन 22 से 24 फरवरी तक किया गया। आईआईआईटी-बेंगलूरु के निदेशक प्रोफेसर देबब्रत दास ने कहा कि आईएसईसी 2024 ने एक बार फिर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग (एसई) में की जा रही उल्लेखनीय प्रगति को प्रदर्शित किया है। आईएसईसी की मेजबानी करना आईआईआईटी बी के लिए गर्व की बात है। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भविष्य के सहयोग और भर्तियों को बढ़ावा देने की काफी संभावनाएं दिखाई हैं। किसी भी शोध सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य विशिष्ट तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और सामुदायिक निर्माण है। अब समय आ गया है कि आईआईआईटी-बी एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में अपनी स्थिति पर जोर दे, जो एसई शोधकर्ताओं के लिए एक बैठक केंद्र और एसई में कई महान परियोजनाओं का केंद्र हो सकता है और भारतीय समुदाय को सॉफ्टवेयर अनुसंधान और विकास में एक महाशक्ति के रूप में बने रहने में मदद कर सकता है। मुझे लगता है कि आईएसईसी की मेजबानी उस दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्रोफेसर सुजीत चक्रवर्ती ने कहा, अब, भाषा मॉडल, जेनरेटिव एआई और एमएल जैसी बहुचर्चित प्रौद्योगिकियों के उद्भव के साथ, शोधकर्ता इन उभरते तरीकों का उपयोग करके शास्त्रीय एसई समस्याओं का समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रो. के. वी. राघवन और डॉ. रवीन्द्र मेडिचेरला ने आईएसईसी 2024 के आयोजन सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से प्रो.अभिकरॉय चौधरी, माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च से डॉ. आकाशलाल और आईएमडीईए सॉफ्टवेयर इंस्टीट्यूट से डॉ. एलेसेंड्रा गोर्ला ने व्याख्यान दिए।

लोकसभा चुनाव की तैयारी

बेंगलूरु। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय जगन्नाथ भवन में विभिन्न मोर्चों की बैठक हुई। चुनाव प्रदेश प्रभारी डॉ. बैठक में राधामोहनदास अग्रवाल, प्रदेश महासचिव नंदीश रेड्डी, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश जीवी, सांसद तेजस्वी सूर्या, विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष उपस्थित थे। आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक में चर्चा हुई।

डीके शिवकुमार की रणनीति से कांग्रेस ने तीन राज्यसभा सीटें जीतीं

भूपेन्द्र कुमार 'भानू'
दक्षिण भारत/बेंगलूरु

जैसा कि पहले से लग रहा था कि राज्यसभा की चार सीटों में से कांग्रेस को तीन और भाजपा को एक सीट मिलेगी। वही हुआ। लेकिन भाजपा के एसटी सोमशेखर ने क्रॉस वोटिंग कर कांग्रेस उम्मीदवार को वोट दिया। वहीं भाजपा के शिवराम हेब्बार ने मतदान केन्द्र से दूर रहकर अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी जीत दिलाने में मदद की। गली जनार्दन रेड्डी, दर्शन पुट्टन्नैया, पुट्टस्वामी गौड़ा, लता मल्लिकार्जुन, जो कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं थे, ने कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट दिया।

भाजपा के साथ हाथ मिलाकर जेडीएस ने चुनावी मैदान में कुपेन्द्र रेड्डी को उतारा था, यह जानते हुए भी कि जीत के लिए लक्ष्य तक पहुंचने का पर्याप्त संख्याबल उनके पास नहीं है। रेड्डी को मात्र 36 वोट मिले। राज्यसभा चुनाव में रेड्डी की यह लगातार तीसरी हार है। कांग्रेस ने बीजेपी और जेडीएस के उन नेताओं को करारा जवाब दिया है जो सत्ताधारी पार्टी के कुछ वोट हासिल कर पांचवें उम्मीदवार को जिताने के इच्छुक थे।

विधानसभा में कांग्रेस के पास भले ही स्पीकर समेत 134 सदस्य हैं, लेकिन चुनाव में उन्हें 139 वोट मिले। सदन में 66 सीटों वाली बीजेपी को जब पता चला कि एनडीए के दूसरे उम्मीदवार के जीतने की संभावना नहीं है, तो आखिरी वक्त में उसने अपने उम्मीदवार को आवंटित 45 वोटों की जगह 47 वोट दे दिए, जबकि बाकी 17 वोट जेडीएस उम्मीदवार को मिले। भाजपा के अतिरिक्त 21 और उनकी पार्टी के 19 वोटों को मिलाकर, गैर-पार्टी सदस्यों और कांग्रेस के कुछ सदस्यों द्वारा क्रॉस वोटिंग से कुपेंद्र रेड्डी को जीतने में मदद नहीं मिली।

जेडीएस के दो-तिहाई विधायकों को

अपनी ओर खींचने का दावा करने वाली कांग्रेस को उस पार्टी से एक भी वोट नहीं मिल सका, लेकिन उस पार्टी के सभी विधायकों ने एकजुटता दिखाई। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों का विश्वास बनाए रखा, साथ में 4 गैर-पार्टी वोट भी हासिल किए और भाजपा का एक वोट भी मिला जिससे विपक्षी दलों का गणित गड़बड़ा गया।

कांग्रेस के नेताओं ने क्रॉस वोटिंग से बचने के लिए गत एक सप्ताह से अपने सदस्यों पर पकड़ बनाकर रखी थी। वहीं डीके शिवकुमार भाजपा के एसटी सोमशेखर को साथ लेकर चल रहे थे। भाजपा और जेडीएस ने वोट आकर्षित करने के लिए तैयारी की थी लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। कांग्रेस नेता अपने सदस्यों को एकजुट रखने के लिए रविवार से ही एक पंचतारा होटल में बैठकें कर रहे थे।

आज मतदान के समय सभी को बसों द्वारा विधानसौधा तक लाया गया। कांग्रेस के दिग्गज नेता और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की रणनीति काम आई और उन्हें राज्यसभा चुनाव में भारी सफलता मिली। गौरतलब है कि राज्यसभा चुनाव में दलबदल कानून लागू नहीं होता, आत्मा की आवाज पर वोटिंग होती है। इसी कारण क्रासवोटिंग होती है और ऐसे हालात बनते हैं जैसे देशभर (5 राज्यों में) में हुए राज्यसभा चुनाव में बने हैं।

घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए करें नियमित मॉनिटरिंग : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सौ दिवसीय कार्ययोजना में शामिल सभी बिंदुओं और लेखानुदान 2024-25 की घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सौ दिवसीय कार्ययोजना में शामिल बिन्दुओं, बजट घोषणाओं सहित अन्य घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम के लिए बिजली, पानी एवं चिकित्सा संबंधी कंटिन्जेंसी प्लान विभागीय एवं जिला स्तर पर समय रहते तैयार कर लिए जाएं ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेशकों को अधिकाधिक आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के नियमों का सरलीकरण किया जाए। उन्होंने उद्यमियों को औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए भूमि, बिजली एवं पानी सहित विभिन्न सुविधाएं एवं स्वीकृतियां प्रदान करने में लगने वाले समय को कम करने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए संभाग स्तर पर खेल सुविधाओं को विकसित किया जाए ताकि मिशन ओलंपिक-2028 के लिए युवाओं को प्रतिस्पर्धी माहौल और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध करवाये जा सकें। उन्होंने विश्वविद्यालयों में भी खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों से रिक्त पदों की जानकारी लेकर आवश्यकतानुसार भर्ती प्रक्रिया का कलेण्डर बनाया जाए। उन्होंने विभिन्न विभागों की भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी एवं सुचारू ढंग से आयोजित कराने के लिए पुलिस, कार्मिक एवं संबंधित विभाग के उच्चस्तरीय अधिकारियों की कमेटी के गठन के निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में खेल कोटे के तहत दी जाने वाली नियुक्तियों में नियमों के स्पष्टीकरण हेतु खेल विभाग व कार्मिक विभाग को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा के साथ ही स्कूल शिक्षा में भी कौशल विकास को जोड़ा जाए ताकि युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान किये जा सके। उन्होंने कहा कि मिड-डे-मील योजना में भोजन की गुणवत्ता की जांच करने एवं कार्यालयों में शौचालय आदि स्वच्छता संबंधी बिंदुओं की निगरानी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक को अपनाया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्व मामलों के निस्तारण के संबंध में संभागीय आयुक्त के स्तर पर प्रगति रिपोर्ट तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन प्रकरणों के निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा एवं लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शर्मा ने एंटी रोमियो स्क्वायड के गठन के कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तीकरण हेतु भयमुक्त वातावरण बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने लाडली सुरक्षा योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए सार्वजनिक स्थलों, बालिका छात्रावासों एवं नारी निकेतन परिसरों में सीसीटीवी कैमरे शीघ्र लगवाने के भी निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने बृज चौरासी परिक्रमा मार्ग में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना में घरों पर सौलर प्लांट स्थापित करने के लिए अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मुगल सम्राट अकबर को 'अत्याचारी और बलात्कारी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक भड़काऊ टिप्पणी में आरोप लगाया कि मुगल सम्राट अकबर महान नहीं बल्कि अत्याचारी और बलात्कारी था। विद्यालय पाठ्यक्रम में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर दिलावर ने रविवार को बालोतरा में संवाददाताओं से कहा कि अकबर बाजारों से लड़कियां मंगाता था और उनके साथ बलात्कार करता था। राजस्थान के विद्यालयों में अनिवार्य रूप से 'सूर्य नमस्कार' कराये जाने पर उन्होंने कहा कि इसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह शुरू हो गया है। कुछ ही दिनों में 'सूर्य नमस्कार' सभी विद्यालयों में नियमित हो जाएगा।

शिक्षकों के तबादलों के बारे में पूछे जाने पर दिलावर ने कहा कि इस समय परीक्षाएं चल रही हैं और ऐसे में शिक्षकों का स्थानांतरण करना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा, परीक्षा समाप्त होने के बाद हम स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू करेंगे।

आईसीयू में भर्ती महिला से दुष्कर्म के आरोप में कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती महिला से दुष्कर्म के आरोप में एक कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना आज सुबह करीब साढ़े चार बजे की है और आरोपी चिराग यादव को हिरासत में ले लिया गया, जो कि अस्पताल में नर्सिंग सहायक के पद पर कार्यरत है। शिवाजी पार्क थाना प्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि फेफड़ों में संक्रमण के कारण महिला अस्पताल के आईसीयू में उपचाराधीन है।

उन्होंने शिकायत के हवाले से बताया कि यादव ने पीड़िता के बिस्तर के आसपास के पर्दे लगा कर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने शोर मचाया तो आरोपी ने उसे एक टीका लगा दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गई और होश में आने के बाद उसने अपने परिवार के सदस्यों को घटना की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया, हमने यादव को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई जिसमें वह बिस्तर पर जाते और आसपास के पर्दे लगाते दिख रहा है। मामले की जांच जारी है।

सड़क हादसे में एक की मौत, सात घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पाली जिले में एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा सोमवार देर रात रणकपुर के पास हुआ जब एक नृत्य मंडली के लोग कार्यक्रम के बाद कार से लौट रहे थे तो उनका वाहन आगे जा रहे ट्रक से टकरा गया। पुलिस ने बताया कि चालक मोतीलाल (45) की मौत हो गई और चार महिलाओं सहित सात अन्य घायल हो गए, जिन्हें पाली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दीयाकुमारी ने आंगनबाडी केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से अजमेर लोकसभा प्रभारी दीयाकुमारी ने मंगलवार को यहां संगठन बैठक से पहले घूघरा स्थित भूणाबाय आंगनबाड़ी केन्द्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। श्रीमती दीयाकुमारी ने घूघरा के आंगनबाड़ी केन्द्र पर पहुंच कर नन्हें मुन्ने बच्चों के कक्षा कक्ष का अवलोकन किया तथा रसोई में पोषाहार को देखा ही नहीं, बल्कि स्वयं चखा। पोषाहार में मीठा दलिया बनाया गया था। जिससे वे संतुष्ट दिखाई दी। उन्होंने पुनः कक्षा में पहुंच कर बच्चों से क्या पसंद है का सवाल भी किया। दलिया पर बच्चों के हामी भरने पर वे संतुष्ट रही। उन्हें वहीं बैठकर बच्चों को दुलारा और अपने हाथों से चैकलेट बांटी। उन्होंने मौके पर ही कहा कि. लगता है मेरे आने का पता पहले ही लग गया। इस दौरान जिला कलक्टर डा. भारती दीक्षित तथा पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई भी मौजूद रहे। श्रीमती दीयाकुमारी बाद में भूणाबाय स्थित संगठन कार्यालय पहुंची, जहां कार्यकर्ताओं ने उनकी अगवानी की। उन्होंने परिसर में ही 'कमल के फूल' पर ब्रश चलाया और संदेश दिया 'एक बार फिर मोदी सरकार'।

13 माह की बच्ची बरामद, चुराने वाला आरोपी हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने उदयपुर के महाराणा भूपाल सरकारी अस्पताल से शनिवार तड़के चुराई गई 13 माह की बच्ची को बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में अंजू नामक महिला को हिरासत में लिया गया है। उसने बताया कि प्राथमिक पूछताछ से पता चला है कि अंजू कुछ समय से रोशन नाम के व्यक्ति के साथ रह रही है तथा उसकी कोई संतान नहीं है, ऐसे में वह यह दावा करना चाहती थी कि बच्ची उसकी और रोशन की बेटी है ताकि वह उसके (रोशन के) परिवार में रह सके। इलाके में लगे विभिन्न सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच करने पर पुलिस उस सुरक्षा गार्ड तक पहुंची, जिससे अंजू ने बात की थी। पुलिस ने उससे अंजू के बारे में जानकारी हासिल की। पुलिस ने बच्ची को सोमवार देर रात चीरवा इलाके में रह रहे रोशन के घर से बरामद कर अंजू को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने बताया, महिला (अंजू) के पति की पिछले दिनों मृत्यु हो गई थी और लगभग छह-सात महीने से वह रोशन के साथ रह रही है। वह मजदूरी करके आजीविका कमाती है।'' उसके अनुसार महिला से बच्ची के अपहरण के मकसद के बारे में पूछताछ की जा रही है। प्राथमिक जांच के अनुसार वह चाहती थी कि इस बच्ची को रोशन एवं अपनी बच्ची बताकर वह रोशन के साथ रहती रहे।

पुलिस ने बताया कि रोशन की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक घटना के वक्त अव्यांश नाम की बच्ची अपनी मां के साथ अस्पताल के गलियारे में सो रही थी और जब मां सुबह करीब चार बजे उठी तो उसने देखा कि उसकी बेटी गायब है तब उसने अस्पताल प्रशासन को सूचित किया। इस संबंध में उदयपुर के हाथीपोल थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

स्वागत

अजमेर में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित अजमेर लोकसभा चुनाव प्रबंधन एवं कोर कमेटी की बैठक में शामिल हुई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

सभी अधिकारी-कर्मचारी टीम भावना से काम करें : शुभ्रा सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य का क्षेत्र राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है और यह आमजन के जीवन से जुड़ा हुआ संवेदनशील विभाग है। विभाग के सभी अधिकारी, चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ पूरी प्रतिबद्धता और टीम भावना के साथ काम करें। आमजन का जीवन बचाना ही हमारा पहला और आखिरी लक्ष्य हो।

श्रीमती सिंह मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में रोगियों एवं परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करें। उपचार के दौरान पूरी सजगता और संवेदनशीलता बरतें। चिकित्सा संस्थान की व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं में अपेक्षित सुधार करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि चिकित्सा संस्थानों में जांच, उपचार एवं अन्य सुविधाओं के संचालन के लिए एसओपी आवश्यक रूप से तैयार की जाए। एसओपी के अनुरूप ही कार्य हो ताकि मरीजों को सुगमतापूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और लापरवाही होने पर जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने विभागीय एवं उच्च स्तर पर आयोजित बैठकों में अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ आने के निर्देश दिए।

श्रीमती सिंह ने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। एम्बुलेंस, ऑक्सीजन प्लांट, जांच उपकरण आदि का समुचित रख-रखाव एवं मेंटीनेंस हो। आरएमआरएस की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं ताकि चिकित्सा संस्थानों के जरूरी काम समय पर हो सकें और उपलब्ध फंड का सदुपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि सिटीजन चार्टर को समय-समय पर अपडेट किया जाए। फाइलों का समयबद्ध निस्तारण हो।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि संभावित आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा संस्थानों में जांच किट्स, उपकरण, दवा आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने आगामी 24 घंटे में इस संबंध में आकलन कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में चिकित्सा व्यवस्था से जुड़ा कोई भी मामला सामने आए तो उसका संवेदनशीलता के साथ समाधान करें और उच्च स्तर पर तत्काल प्रभाव से उसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोकथाम के लिए प्रदेशभर में अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नशीली दवाओं की अवैध बिक्री पर सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित करें।

शिक्षा और छात्रों के अविरल विकास के लिए हम दृढ़ संकल्पित : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को लूणी विधानसभा क्षेत्र अनेक कार्यक्रमों में शिरकत की व लोकार्पण व शिलान्यास भी किए । विधि एवं न्याय मंत्री ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सेवाला की ढाणी, सेवाला नगर ग्राम पंचायत शिकारपुरा में स्वर्गीय सोनाराम की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी लीला देवी व परिवार जनों द्वारा निर्मित भवन का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दमाराम जी महाराज ने की। पटेल ने इस अवसर पर कहा कि अपने परिवार जनों की स्मृति में करवाए गए जनहितकारी कार्य पीढ़ियो तक याद रखे जाते हैं। परिवार जनों को ऐसे कार्यों से सुकून मिलता व लोगों को सुविधा प्राप्त होती है । मंत्री जोगाराम पटेल ने कांकाणी में सरस्वती मंदिर एवं प्याऊ के शिलान्यास के अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार विद्यार्थियों के लिए अच्छी से अच्छी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के हर संभव प्रयास कर रही है।

पटेल ने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश के समग्र विकास, बुनियादी सुख-सुविधाओं एवं सेवाओं के विस्तार की दिशा में बहुआयामी योजनाओं का सूत्रपात कर चुकी है और आने वाला समय प्रदेश की नई पहचान का होगा, जहां हर दृष्टि से विकसित राजस्थान के साथ ही दुनिया के लोग विकसित भारत के संकल्पों के इन्द्रधनुषों का दिग्दर्शन करेंगे। पटेल ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत ज़रूरते जैसे शिक्षा, सड़को का नवीनीकरण, अविरल बिजली व सुरक्षित व स्वच्छ पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हम प्रयासरत है ।

नरेगा पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में महात्मा गाँधी नरेगा योजनान्तर्गत नवाचारों को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय स्थिति की आवश्यकतानुसार नवाचारों पर विस्तार से चर्चा की गयी। विभिन्न जिलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीयों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने चारागाह विकास, पशु आश्रय स्थलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण, एनीकट, आदर्श अमृत सरोवर सम्बन्धी कार्यों के लिए अपने सुझाव दिए। इंदिरा गाँधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित इस कार्यशाला की आयुक्त, ईजीएस श्रीमती शिवांगी स्वर्णकार ने दीप प्रज्वलन के साथ शुभारम्भ किया। अतिरिक्त आयुक्त (द्वितीय), ईजीएस ने कार्यशाला के उद्देश्यों और आजीविका संवर्धन के लिए प्राकृतिक संसाधनों के विकास के बारे में जानकारी दी।

जासूसी के आरोप में आर्मी एरिया का कैंटीन संचालक गिरफ्तार, महिला पाक हैंडलर को भेज रहा था जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने मिलट्री इंटेलिजेंस बीकानेर के साथ संयुक्त कार्रवाई कर पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी के लिए जासूसी कर रहे बीकानेर के डूंगरगढ़ तहसील के लाखासर क्षेत्र के गांव उपर का बास निवासी विक्रम सिंह (31) को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों पर राजस्थान इंटेलिजेंस सतत निगरानी रखता है।

इस निगरानी के दौरान जानकारी में आया कि बीकानेर के डूंगरगढ़ क्षेत्र निवासी विक्रम सिंह सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया हैंडलर्स के निरंतर संपर्क में है।

एडीजी अग्रवाल ने बताया कि इंटेलिजेंस जयपुर की टीम ने विक्रम सिंह की गतिविधियों पर गहनता से निगरानी की। जांच में पता चला कि यह हनीट्रैप के प्रलोभन में आकर सोशल मीडिया के माध्यम से पाक महिला एजेंट के संपर्क में रहकर सामरिक महत्व की सूचना साझा कर रहा है। अग्रवाल ने बताया कि आरोपी विक्रम सिंह आर्मी एरिया महाजन बीकानेर में लंबे समय से वेंट कैंटीन का संचालन कर रहा था। करीब एक साल से यह पाक खुफिया एजेंट अनीता के संपर्क में था। पाक हैंडलर के चाहे जाने पर विक्रम आर्मी एरिया की संवेदनशील जानकारियां जैसे फोटोग्राफ्स, प्रतिबंधित स्थान की लोकेशन और वीडियो एवं यूनिटों और अधिकारियों की जानकारी सोशल मीडिया पर उपलब्ध करवा रहा था।

एडीजी ने बताया कि आरोपी विक्रम सिंह से पूछताछ और उसके मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण से उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि हुई है।

पूर्व सांसद जया प्रदा 'फरार' घोषित, गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश

रामपुर (उप्र)/भाषा। रामपुर से पूर्व सांसद अभिनेत्री जयाप्रदा को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में लगातार गैरहाजिर रहने के चलते स्थानीय एमपीएमएलए अदालत ने मंगलवार को आखिरकार 'फरार' घोषित कर दिया और पुलिस को उन्हें गिरफ्तार कर छह मार्च को अदालत में हाजिर करने का आदेश दिया। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा की प्रत्याशी रहीं जयप्रदा पर आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में दो मामले रामपुर में दर्ज किए गए थे, जिनकी सुनवाई रामपुर की विशेष एमपीएमएलए अदालत में हो रही है। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि जयप्रदा के विरुद्ध 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े दो मुकदमे कैमरी और स्वार थानों में दर्ज किये गए थे।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर राज्यसभा चुनाव में सभी हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों द्वारा 'क्रॉस वोटिंग' किये जाने की आशंका के बीच पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि जो लोग इस स्थिति में ''फायदा'' तलाश रहे हैं, वे छोड़कर चले जाएंगे। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव जीतने के लिए सभी हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया। यादव ने मंगलवार को दोपहर बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हमारी राज्यसभा की तीसरी सीट दरअसल सच्चे साथियों की पहचान करने की परीक्षा है और ये जानने की कि कौन-कौन दिल से पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के साथ है और कौन अंतरात्मा से इनके खिलाफ है। अब सब कुछ साफ है, यही तीसरी सीट की जीत है।

इसके पहले मतदान के लिए विधानसभा पहुंचे यादव से जब उनके द्वारा बुलाई गई बैठक में पार्टी विधायकों की अनुपस्थिति के बारे में पत्रकारों ने पूछा तो उन्होंने कहा, जो स्थिति का फायदा तलाश रहे हैं वो छोड़कर चले जाएंगे। जिनसे वादा किया गया होगा वे जाएंगे। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, जो लोग किसी की राह में कीलें बिछाते हैं या दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं, वे खुद गिर जाते हैं। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए सभी हथकंडे अपनाएगी। सपा प्रमुख ने कहा, किसी को सुरक्षा की चिंता होगी, किसी को धमकाया गया होगा, किसी को कुछ और कहा गया होगा और जिसके अंदर लड़ने का साहस नहीं होगा वही जाएंगे।

मथुरा में महिला ने मंदिर की आपात निधि में 88 लाख रुपए की हेराफेरी की

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा में वृन्दावन के चैतन्य विहार स्थित ठाकुर राधा माधव दिव्यदेश (नया रंगजी) मंदिर की आपात निधि में एक महिला द्वारा कथित तौर पर 88 लाख रुपए की हेराफेरी किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार मंदिर के महंत स्वामी अनंताचार्य ने वृन्दावन कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। महंत ने शिकायत में कहा कि आरोपी महिला मंदिर के न्यास से जुड़ी हुई है।

थाना प्रभारी निरीक्षक आनन्द कुमार शाही ने शिकायत के हवाले से बताया कि महंत स्वामी अनंताचार्य ने गुजरात निवासी दमयंती बेन पटेल को मंदिर से संबंधित कृष्ण भक्ति प्रचार संघ का प्रभारी बनाया था और संघ से जुड़े निर्णय उनके द्वारा ही लिए जाते थे।

ईडी ने धन शोधन मामले में राजद विधायक, पति के परिसरों पर छापेमारी की

आरा/पटना/भाषा। ईडी ने कथित रूप से आय से अधिक संपत्ति के मामले को लेकर बिहार के भोजपुर जिला मुख्यालय आरा में राजद विधायक किरण देवी, उनके पति और पूर्व विधायक अरूण यादव तथा कुछ अन्य से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। किरण देवी भोजपुर जिले के संदेश निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहां उनके पति ने 2015 के विस चुनाव में जीत हासिल की थी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के छोटे पुत्र एवं उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले तेजस्वी यादव ने कहा कि ये छापे इस बात का सबूत हैं कि केंद्र में शासन करने वाली भाजपा ''डरी हुई'' है।

पटनायक की एसएचजी के लिए 10 लाख रुपए तक के ब्याज-मुक्त ऋण की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। लोकसभा और ओडिशा विधानसभा के चुनावों से पहले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के लिए 10 लाख रुपए तक के ब्याज-मुक्त ऋण की घोषणा की। मिशन शक्ति बाजार का उद्घाटन करते हुए पटनायक ने कहा कि ब्याज मुक्त ऋण से महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलेगा, जिससे राज्य में मिशन शक्ति आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाजार का लक्ष्य राज्यभर में एसएचजी उत्पादों के विपणन को सुविधाजनक बनाना है।

इसके अतिरिक्त पटनायक ने ब्याज रिफंड के लिए 145 करोड़ रुपए जारी किए। उन्होंने अगले पांच साल में 5,000 मिशन शक्ति बाज़ार स्थापित करने की योजना की भी रूपरेखा पेश की, जिसमें 70 लाख महिला एसएचजी सदस्यों को 730 करोड़ रुपए और मिशन शक्ति नेताओं को वर्दी और ब्लेज़र खरीदने के लिए 1.5 लाख रुपए आवंटित किए गए।

पटनायक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एसएचजी को इस वर्ष 15,000 करोड़ रुपए का ऋण प्राप्त हुआ और इस उद्देश्य के लिए अगले पांच वर्षों में 75,000 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। पटनायक ने महिलाओं के विकास के प्रति राज्य सरकार के समर्पण पर जोर देते हुए उन्हें नए ओडिशा के गठन का अभिन्न अंग मानते हुए कार्यक्रम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मिशन शक्ति बाज़ार हस्तशिल्प, हथकरघा, खाद्य उत्पाद, वन उत्पाद, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल की वस्तुएं, पारंपरिक आभूषण और घरेलू और रसोई उत्पादों सहित 1,000 से अधिक उत्पादों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से पेश करेगा।

राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता : धर्मेन्द्र प्रधान

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता और वह जो कुछ भी कहते हैं, उससे ''हंसी का पात्र'' बन जाते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकसभा के पिछले दो चुनाव जनता की पसंद को दर्शाते हैं और आगामी चुनावों में कांग्रेस की स्थिति और खराब होगी। उन्होंने टीवी9 नेटवर्क के एक शिखर सम्मेलन में कहा, राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। जब उनकी अपनी ही पार्टी उन्हें गंभीरता से नहीं लेती है तो जनता उन्हें कैसे गंभीरता से लेगी। पिछले दो चुनाव जनता की राय को दर्शाते हैं और आने वाले चुनाव में कांग्रेस की स्थिति और भी खराब होगी।

कांग्रेस के सत्ता में आने पर हर किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने के राहुल गांधी के वादे को लेकर पूछे गए सवाल पर प्रधान ने कहा, उनके बुनियादी सिद्धांतों में कुछ समस्या है। उन्होंने सवाल किया, जब वे सत्ता में थे तो उनकी पार्टी ने इस मुद्दे पर क्या किया? वे कर्नाटक जैसे राज्यों में क्या कर रहे हैं जहां उन्होंने हाल ही में चुनावों में जीत दर्ज की।

वोटबैंक की राजनीति के लिए ममता बनर्जी संदेशखाली के मुख्य आरोपी को संरक्षण दे रही हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संदेशखाली मुद्दे को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मंगलवार को एक बार फिर हमला बोला और आरोप लगाया कि उन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति के चलते तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को संरक्षण दे रखा है।

भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण न्याय से अधिक मायने रखता है। उन्होंने संदेशखाली में भूमि हड़पने और महिलाओं के यौन उत्पीड़न के मुख्य आरोपी शेख की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस के सभी नेता अपराधी और बलात्कारी शाहजहां शेख को बचाने के लिए अदालतों को भी बदनाम करने में लगे हुए हैं। शुक्ला ने तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि शेख को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा और कहा कि यह स्पष्ट है कि तृणमूल कांग्रेस को उनके ठिकाने के बारे में पता है। उन्होंने इस मुद्दे पर विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की चुप्पी पर निशाना साधते हुए कहा, ममता की ओछी राजनीति के तराजू में आरोपी का पक्ष और तुष्टिकरण का वजन न्याय के मुकाबले भारी पड़ रहा है। जिस कारण से न्याय के तराजू का पलड़ा आरोपी के पक्ष में झुक गया है। यह 'इंडी' गठबंधन के तमाम घटक दलों की चुप्पी से साबित होता है। शुक्ला ने कहा कि शिकायतकर्ताओं को न्याय दिलाने के लिए उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

टीएमसी निरंकुश शासन चला रही है : अधीर

जहां असहमति को कुचल दिया जाता है

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निरंकुश शासन चलाने का आरोप लगाया, जहां असहमति जताने वाले किसी भी व्यक्ति को झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। चौधरी ने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता संदेशखालि में अपनी पार्टी के नेता शाहजहां शेख और उनके समर्थकों के कथित अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन कर रही महिलाओं के विरुद्ध अपशब्द बोल रहे हैं।

उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि में शेख और उनके समर्थकों द्वारा जमीन हड़पने एवं महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से विरोध प्रदर्शन जारी है। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, टीएमसी सरकार में एक निरंकुश शासन चल रहा है, जहां किसी भी असहमति जताने वाले को विभिन्न मामलों में फंसा दिया जाता है, यहां तक कि पत्रकार भी सुरक्षित नहीं हैं। कुछ टीएमसी नेता सच बोलने वाली महिलाओं को 'एक्टर' बता रहे हैं। लोकसभा में कांग्रेस के नेता उस वीडियो क्लिप पर टिप्पणी कर रहे थे, जिसमें कथित तौर पर टीएमसी विधायक शौकत मुल्ला को यह आरोप लगाते हुए दिखाया गया है कि संदेशखालि में प्रदर्शनकारी महिलाएं बाहरी थीं, जो विपक्षी दलों के इशारे पर कैमरे के सामने अभिनय कर रही थीं।

शमी के टखने का ऑपरेशन, आईपीएल से बाहर रहना तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बायें टखने (अकिलीज़ टेंडन) का ऑपरेशन हुआ है जिसके कारण वह अगले महीने से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल पाएंगे। इस कारण से वह जून में होने वाले टी20 विश्व कप से भी बाहर रह सकते हैं। इस 33 वर्षीय गेंदबाज ने पिछले साल वनडे विश्व कप में भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारत की तरफ से अपना अंतिम मैच 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल के रूप में खेला था। उनका सोमवार को लंदन में ऑपरेशन किया गया।

शमी जल्द से जल्द अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं लेकिन उनको फिट होने में तीन महीने का समय लग जाएगा। इस कारण वह 22 मार्च से 26 मई तक होने वाले आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे। उनका जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध है। शमी ने सोमवार को अस्पताल में अपनी कई तस्वीरों को साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अभी मेरे अकिलीज़ टेंडन का सफल ऑपरेशन हुआ है। इससे उबरने में समय लगेगा लेकिन मैं फिर से अपने पांवों पर खड़े होने के लिए उत्सुक हूं। वनडे विश्व कप में 24 विकेट लेने वाले शमी दर्द के बावजूद इस टूर्नामेंट में खेले थे। वह टखने में विशेष इंजेक्शन लगाने के लिए जनवरी में लंदन चले गए थे। उन्हें हालांकि इससे कोई फायदा नहीं हुआ जिसके बाद उन्हें ऑपरेशन करवाना पड़ा।

शमी का आईपीएल से बाहर होना गुजरात टाइटंस के लिए करारा झटका है, जिसके ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही मुंबई इंडियंस से जुड़ चुके हैं। शमी ने पिछले साल आईपीएल में अपनी टीम की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेकर उसे फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

शमी को हाल में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने अभी तक एक दशक के अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 229, वनडे में 195 और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 24 विकेट लिए हैं।

इस घटनाक्रम से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा शमी के लिए तैयार किए गए रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम पर भी सवालिया निशान लग गया है।

डीजल पर सब्सिडी, कल्याण निधि की मांग को लेकर मछुआरों ने किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में तीन जिलों के तटीय इलाकों में रहने वाले मछुआरों ने सामाजिक सुरक्षा सहित अपने छह सूत्री मांगों को पूरा करने को लेकर मंगलवार को यहां बड़ी संख्या में इकट्ठे होकर प्रदर्शन किया।

ओडिशा राज्य मछुआरा संघ के बैनर तले मछुआरा समुदाय के सदस्यों ने डीजल पर सब्सिडी, समुद्र के मुहाने की नियमित खुदाई, औद्योगिक इकाइयों से रासायनिक अपशिष्टों को समुद्र में बहाने से रोकने, वन विभाग व तट रक्षक अधिकारियों के कथित दुर्व्यवहार को समाप्त करने और मछुआरा कल्याण कोष के गठन की मांग की।

भद्रक, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा जिलों के प्रदर्शनकारी मछुआरे नीली टोपी पहनकर हाथों में नीले झंडे लहराते हुए महात्मा गांधी मार्ग पर एकत्रित हुए और राज्य सरकार पर उनकी मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। ओडिशा राज्य मछुआरा महासंघ के अध्यक्ष श्रीकांत परिडा ने कहा, हमारा जीवन दयनीय हो चुका है क्योंकि हमें मछली पकड़ने वाली नौकाओं को चलाने के लिए 94 रुपए प्रति लीटर का डीजल खरीदना पड़ता है। उन्होंने कहा, नदियों और समुद्र में मछली पकड़ना हमारे जीवन का एकमात्र स्रोत है। दुर्भाग्य से, सरकार की उदासीनता के कारण हमें समुद्र छोड़कर सड़कों पर उतरना पड़ा। डीजल पर सब्सिडी की मांग करते हुए प्रदर्शनकारी मछुआरों ने दावा किया कि कम से कम सात तटीय राज्य मछुआरों को डीजल पर सब्सिडी दे रहे हैं।

विवाह अधिनियम की समाप्ति के साथ तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के साथ अन्याय बंद हो जाएगा : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 के तहत तलाक लेने वाली महिलाएं किसी भी गुजारा भत्ते की हकदार नहीं होती हैं।

उन्होंने कहा कि इस अधिनियम को निरस्त करने के राज्य मंत्रिमंडल के फैसले से मुस्लिम महिलाओं पर यह ''अत्याचार'' समाप्त हो जाएगा और वे अदालत के आदेश के अनुसार गुजारा भत्ता प्राप्त कर सकेंगी। शर्मा ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, अधिनियम के तहत, काजी को विवाह पंजीकृत करने का अधिकार था और वे तलाक भी दिला सकते थे। अब, जब काजी तलाक की अनुमति देता है, तो महिला को कुछ भी नहीं मिलता है। लेकिन, अगर अदालत तलाक की अनुमति देती है, तो पूर्व पति को गुजारा भत्ता देना होगा। उन्होंने अधिनियम को निरस्त करने के राज्य कैबिनेट के फैसले का जिक्र करते हुए कहा, हमारी माताओं पर जो अत्याचार हो रहा था, वह अब बंद हो जाएगा।

चार वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, एक आरोपी गिरफ्तार

कन्नौज (उप्र)/भाषा। कन्नौज जिले के एक गांव में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सोमवार शाम 18 वर्षीय युवक बच्ची को छिबरामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने घर ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

बच्ची की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई भी की। पुलिस ने बताया कि बच्ची जिला अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित कुमार आनंद, क्षेत्राधिकारी (नगर) कमलेश कुमार, तिर्वा की क्षेत्राधिकारी (सीओ) डॉ प्रियंका बाजपेई ने जिला अस्पताल पहुंचकर बच्ची का हालचाल जाना। बच्ची के पिता की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

केंद्र सरकार देश के भविष्य की शत्रु बन गई है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार 'देश के भविष्य की दुश्मन' बन गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है और छह माह के भीतर पुन: परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार 'देश के भविष्य' की दुश्मन बन गई है! कहीं भर्ती के लिए तरसते छात्र, कहीं पेपर लीक से हताश छात्र, कहीं नियुक्ति के लिए कोर्ट का चक्कर काटते छात्र, तो कहीं आवाज़ उठाने पर लाठियों की मार सहते छात्र। उन्होंने दावा किया कि समीक्षा अधिकारी से लेकर पुलिस भर्ती तक और रेलवे से लेकर सेना तक एक भी परीक्षा न्यायपूर्ण ढंग से करा पाने में नाकाम भाजपा सरकार अपना गुस्सा युवाओं पर निकाल रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नौकरी पैदा करने वाले संस्थान मित्रों को बेच कर युवाओं को ठेके पर रखना, मोदी की नीति है और शोषण मोदी की गारंटी।

'परिवारों का उपभोग खर्च सर्वे भ्रामक और चुनाव से प्रेरित'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने हाल में आए उपभोग खर्च सर्वे को ''चुनाव से प्रेरित और भ्रामक सर्वे'' करार देते हुए मंगलवार को दावा किया कि सरकार ने गरीबी के विषय पर अपनी पीठ थपथपाने की नाकाम कोशिश की है, जबकि हकीकत यह है कि आज 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह भी कहा कि अगर केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो देश में जाति आधारित जनगणना करवाई जाएगी ताकि सही आंकड़ा एकत्र हो सके।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के ताजा अध्ययन के मुताबिक, देश में परिवारों का प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है। गत शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत एनएसएसओ ने अगस्त, 2022 से जुलाई, 2023 के दौरान परिवारों का उपभोग खर्च सर्वेक्षण (एचसीईएस) किया।

हॉकी इंडिया की सीईओ एलेना नॉर्मन का त्यागपत्र, कहा, गुटबाजी में काम करना मुश्किल था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लंबे समय तक हॉकी इंडिया की सीईओ रही एलेना नॉर्मन ने त्यागपत्र दे दिया है और उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से उनका वेतन रोका गया था तथा महासंघ में आपसी गुटबाजी के कारण काम करना मुश्किल हो गया था। ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली नॉर्मन लगभग 13 वर्ष से यह पद संभाल रही थी और उन्हें पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया गया था।

हॉकी इंडिया के नॉर्मन के पद छोड़ने के संबंध में किसी कारण का उल्लेख किए बिना बयान जारी करने के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई ने पीटीआई से कहा, (वेतन से जुड़े हुए) कुछ मुद्दे थे तथा काफी पहल करने के बाद पिछले सप्ताह उन्हें मंजूरी मिली। नॉर्मन ने कहा, हॉकी इंडिया में दो गुट हैं। एक तरफ मैं और (अध्यक्ष) दिलीप टिर्की हैं तथा दूसरी तरफ (सचिव) भोलानाथ सिंह, (कार्यकारी निदेशक) कमांडर आर के श्रीवास्तव और (कोषाध्यक्ष) शेखर जे मनोहरन हैं। दो गुटों की आपसी लड़ाई में काम करना मुश्किल हो रहा था। नॉर्मन का त्यागपत्र भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रीय महासंघ उन्हें महत्व नहीं देता और उनका सम्मान नहीं करता। नॉर्मन का त्यागपत्र राष्ट्रीय महासंघ के लिए एक और झटका है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने नॉर्मन का त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया। टिर्की ने बयान में कहा, न सिर्फ हॉकी इंडिया के अध्यक्ष बल्कि पूर्व खिलाड़ी और हॉकी प्रेमी होने के कारण मैं पिछले 12-13 वर्षों में उल्लेखनीय योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं। उनके समर्पण और प्रयासों ने हॉकी इंडिया और भारतीय हॉकी को वर्तमान समय की मजबूत स्थिति में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं भविष्य के लिए उन्हें शुभकामना देता हूं।

नॉर्मन के शीर्ष पद पर रहते हुए भारत की पुरुष और महिला टीमों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी। यही नहीं पुरुष टीम ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर 41 साल से चले आ रहे पदक के इंतजार को खत्म किया था। इन खेलों में महिला टीम भी चौथे स्थान पर रही थी।

साइ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों से जुड़ेंगे 200 पैरा एथलीट : ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि देश के पैरा एथलीटों को विशिष्ट प्रशिक्षण देने के लिए सरकार ने ऐसे 200 खिलाड़ियों को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों से जोड़ने का फैसला किया है। दस विधाओं के इन खिलाड़ियों में 97 महिलायें शामिल हैं। इन 200 खिलाड़ियों में 68 तीरंदाज और 38 एथलेटिक्स के खिलाड़ी होंगे। साइकिलिंग के दस पुरुष और दस महिला खिलाड़ी भी इनमें होंगे।

ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में पहले खेलो इंडिया पैरा खेलों का सफल आयोजन सभी खिलाड़ियों को समान मौके उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा, 200 पैरा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों से जोड़ने से पैरा खेलों को मुख्यधारा में लाने की मुहिम को बल मिलेगा।

भारत ने पैरालम्पिक और एशियाई पैरा खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

सुविचार

एक पल के लिए मान लेते हैं कि, किस्मत में लिखे फैसले बदला नहीं करते, लेकिन आप फैसले तो लीजिए, क्या पता किस्मत ही बदल जाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समुद्र : रहस्य की अद्भुत दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुछ महीनों से समुद्र की ओर 'विशेष' ध्यान है। पिछली बार जब उन्होंने लक्षद्वीप में समुद्र तट की तस्वीरें 'साझा' की थीं तो मालदीव का पूरा पर्यटन उद्योग हिल गया था। अब उन्होंने द्वारका के पास 'स्कूबा डाइविंग' की है तो हर किसी के मन में जिज्ञासा पैदा हो गई है कि समुद्र की गहराइयों में क्या-क्या छुपा है! प्रधानमंत्री ने गहरे समुद्र में जाकर प्राचीन द्वारकाजी के दर्शन करने को 'अत्यंत दिव्य अनुभव' बताया है। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भविष्य में काफी लोग वहां जाकर 'स्कूबा डाइविंग' करने के लिए प्रेरित होंगे। वे भी समुद्र में डुबकी लगाकर भगवान श्रीकृष्ण की प्राचीन नगरी के दर्शन करेंगे। भारत के पास अध्यात्म, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन ... इन सबसे जुड़ा इतना विशाल खजाना है, जिसका हम ठीक-ठीक आकलन नहीं कर पाए हैं। यहां हर गांव के साथ इतिहास की कोई-न-कोई अनूठी घटना जुड़ी मिल जाएगी, हर तहसील विशिष्ट खानपान और कलाओं की भूमि है, हर जिले में कोई बड़ा आध्यात्मिक स्थल मिल जाएगा ...। हमें तो इन्हें सहेजकर 'ठीक तरह से प्रस्तुत' करना चाहिए, ताकि देश-दुनिया के अनगिनत लोग लाभान्वित हों। भारत में 'स्कूबा डाइविंग' को लेकर व्यापक संभावनाएं हैं। अभी लोग इस संबंध में तो काफी बातें जानने लगे हैं कि 'धरातल' पर क्या है, लेकिन समुद्र की गहराइयों से अपरिचित हैं। समुद्र की एक अलग ही दुनिया है, जिसका खास तरह का रोमांच है। इसमें मानव इतिहास से जुड़े कई रहस्य समाए हुए हैं। आज भी समुद्र से प्राचीन सिक्के, तीर, बर्तन ... जैसी चीजें मिल जाती हैं। इतिहास के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों की तो इनमें विशेष रुचि होती है।

भगवान श्रीकृष्ण ने जब द्वारका नगरी बसाई थी तो उसका सौंदर्य और ऐश्वर्य अद्भुत था। कालांतर में वह गहरे समुद्र में चली गई। आज हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करने द्वारका आते हैं, लेकिन प्राचीन द्वारका कहां है, इस बात की उन्हें बहुत कम जानकारी होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्कूबा डाइविंग' से उन श्रद्धालुओं के लिए मार्ग खोल दिए हैं। स्थानीय प्रशासन को चाहिए कि वह सुरक्षा व सावधानियों से संबंधित पर्याप्त इंतजाम करने के बाद भविष्य में अन्य श्रद्धालुओं को भी प्राचीन द्वारका के दर्शन कराए। निस्संदेह समुद्र की गहराई में जाना कई लोगों के लिए उचित नहीं है। इसके पीछे उम्र और स्वास्थ्य संबंधी कारण हो सकते हैं। उनके लिए वहां लाइव दर्शन जैसी व्यवस्था की जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल 'सुदर्शन सेतु' के उद्घाटन से बेयट द्वारका द्वीप को मुख्य भूमि ओखा से जोड़ने में आसानी होगी। इससे श्रद्धालुओं के लिए आवागमन सहज हो जाएगा। पहले, यहां श्रद्धालुओं को बोट का इंतजार करना पड़ता था। खासकर गर्मियों के दिनों में कई लोगों की तबीयत बिगड़ जाती थी। अब 'सुदर्शन सेतु' उनकी ये सभी मुश्किलें दूर कर देगा। श्रद्धालु वाहनों से बेयट द्वारका जाएंगे तो भारतीय इंजीनियरिंग के इस अद्भुत प्रतीक को भी नमन करेंगे। हमारे प्राचीन तीर्थों से श्रद्धालुओं को जोड़ने के लिए जहां जरूरी हो, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। गुजरात में स्थित सोमनाथ मंदिर में रात को लाइट एंड साउंड शो इसका बेहतरीन उदाहरण है। एक ओर जहां इस शो में मंदिर का इतिहास बताया जाता है, वहीं समुद्र में उठतीं लहरें शिवजी की वंदना करती प्रतीत होती हैं। ऐसे आयोजन अन्य मंदिरों में भी किए जा सकते हैं। श्रद्धालु उन्हें बहुत ध्यान से देखेंगे। यह उन्हें अपने इतिहास से परिचित कराने का बहुत आसान और रोचक माध्यम हो सकता है।

ट्वीटर टॉक

मेरे लिए तमिल भाषा और तमिल संस्कृति बहुत विशेष रही है। संयुक्त राष्ट्र में मैंने जो तमिल कविता पढ़ी थी, उसके बारे में विदेशों तक में पूछा जाता है। मैंने मेरे संसदीय क्षेत्र में 'काशी तमिल संगमम्' करवाया, उसे लेकर भी लोग सवाल पूछते हैं।

-नरेन्द्र मोदी

भाजपा के मिशन 370 और एनडीए के मिशन 400 पार के लक्ष्य को लेकर आज अजमेर स्थित भाजपा जिला कार्यालय में अजमेर लोकसभा चुनाव प्रबंधन एवं कोर कमेटी की बैठक में सम्मिलित हुई। इस दौरान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की ।

-दीया कुमारी

मध्य प्रदेश प्रवास के दौरान मुरैना में आयोजित लोकसभा क्षेत्र मुरैना-श्योपुर की भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मलित होकर ऊर्जा से सुसज्जित पार्टी के निष्ठावान पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

दान से आनंद

शांति निकेतन की स्थापना के बाद टैगोर के पास कुछ यूरोपियन शोधार्थी आये और उनकी दानशीलता पर हतप्रभ रह गये। एक ने पूछा, 'गुरुदेव क्या देने से सचमुच आनंद प्राप्त होता है?' टैगोर बोले, 'मित्र! दान देने से वास्तविक आनंद प्राप्त होता है। वैसे दान विभिन्न तरह का हो सकता है। मसलन, भारत में अतिथि सत्कार इस प्रकार का होता है कि वहां पर कोई व्यक्ति बिना अपने साथ कुछ लिए उत्तर से दक्षिण तक यात्रा कर सकता है। उसका ऐसा सत्कार होगा मानो वह परम मित्र हो। यह भी एक प्रकार का दान है। किसी व्यक्ति को शिक्षित करना, आर्थिक रूप से उसकी मदद करना, भूखे को भोजन कराना, भटके हुए को सही मार्ग दिखाना, जरूरतमंद की मदद करना सभी दान के रूप हैं। हां, दान करते समय मन की धारणा अवश्य सच्ची होनी चाहिए। दान वह होता है जो नि:स्वार्थ भाव से दिया जाता है।' शोधार्थी बोला गुरुवर, क्या दान धर्म का एक रूप है? उसकी बात पर टैगोर बोले, 'दान से बढ़कर और कोई धर्म नहीं है।' तभी एक अन्य ने पूछा, 'क्या दान देने वाला व्यक्ति उस व्यक्ति से बेहतर है जो दान नहीं करता?'

सामयिक

किसान आंदोलन : दोनों पक्ष दिखाएं समझदारी

राजेश माहेश्वरी

न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानून बनाने और स्वामीनाथन आयोग की सभी सिफारिशों को लागू करने की मांग को लेकर किसान आंदोलनरत हैं। नवंबर 2021 में किसानों ने आंदोलन खत्म किया था, लेकिन दो साल बाद वह फिर सड़कों पर हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने 13 फरवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया था। किसान यूनियनों ने दिल्ली चलो का नारा दिया है। पुलिस की सख्ती के चलते किसान अपने स्थान से आगे नहीं बढ़ पाये हैं। किसानों नेताओं और सरकार के प्रतिनिधियों के मध्य तीन दौर की वार्ता के बाद भी समस्या का कोई हल निकल नहीं पाया है। किसानों ने आगामी 29 फरवरी तक दिल्ली कूच का कार्यक्रम टाल दिया है। अब तक किसान आंदोलन के दौरान सात मौतें हो चुकी है। इन में चार किसान और तीन पुलिस कर्मचारी शामिल है।

ये पहली बार नहीं है जब किसान आंदोलन कर रहे हैं। दो साल पहले दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन हुआ था तब मोदी सरकार को किसानों के आगे घुटने टेकने पड़े थे और संसद से पारित तीन कृषि कानूनों को रद्द करना पड़ा था। किसानों का डर था कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य को खत्म कर सकते हैं और खेती-किसानी कॉर्पोरेट कंपनियों के हाथों में सौंप जा सकते हैं। हालांकि, कृषि कानूनों को लेकर किसानों को बड़ी कुर्बानी देनी पड़ी। किसान करीब एक साल तक लगातार धरना प्रदर्शन करते रहे।

दो साल पहले सरकार ने न सिर्फ कानूनों को रद्द कर दिया, बल्कि एमएसपी पर गारंटी देने का वादा किया। इसके बाद किसानों ने आंदोलन वापस ले लिया थां लेकिन अब किसानों का कहना है कि सरकार ने एमएसपी को लेकर अपने वादे पूरे नहीं किए। हालांकि केंद्र सरकार और किसान नेताओं के बीच वार्ता भी जारी है किंतु अभी तक समझौता नहीं हो सका। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर ये संघर्ष कब तक चलता रहेगा।

असल में सरकार जो प्रस्ताव देती है उसे किसान नेता किसी न किसी बहाने से ठुकरा देते हैं। कृषक वर्ग के प्रति हर किसी की सहानुभूति होने के बावजूद इस आंदोलन के प्रति ये अवधारणा व्याप्त है कि ये पंजाब के बड़े किसानों द्वारा प्रायोजित है। जेसीबी और पोकलेन जैसी मशीनों का साथ होना स्पष्ट करता है कि आंदोलन के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां छिपी हैं जिनका उद्देश्य शांति-व्यवस्था को खतरे में डालकर अपना स्वार्थ सिद्ध करना है। यही वजह है कि पंजाब से ही आंदोलन के विरुद्ध आवाजें उठने लगी हैं। जिस अकाली दल ने कृषि कानूनों के विरोध में मोदी सरकार से नाता तोड़ लिया वह भी खुलकर कह रहा है कि किसान पहले पंजाब सरकार के विरुद्ध आंदोलन करें जिसने उनके साथ किए वायदों पर अमल नहीं किया।

जहां तक एमएसपी का प्रश्न है तो उससे किसी को एतराज नहीं है। लेकिन सभी कृषि उत्पादों के लिए उसका तय किया जाना अव्यवहारिक लगता है। इसी तरह की कुछ और मांगें हैं जिनको सैद्धांतिक सहमति के बावजूद स्वीकार करना मौजूदा स्थितियों में असंभव है । सबसे बड़ी बात ये है कि यह आंदोलन पूरे देश के किसानों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता। पिछली बार दिल्ली में चले लंबे किसान आंदोलन को ज्यादातर राजनीतिक दलों का समर्थन मिलने के बाद भी वह दिल्ली के निकटवर्ती कुछ राज्यों के किसानों तक सीमित होकर रह गया था। ये बात भी देखने मिल रही है कि आंदोलनकारी जिस अंदाज में दिल्ली आना चाहते हैं वह किसी हमले की तैयारी जैसा लगता है। पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधों को तोड़ने के लिए जेसीबी और पोकलेन मशीन जैसे उपकरण साथ लाना उनकी मंशा को स्पष्ट करता है। जिस तरह से पुलिस के साथ उनका मुकाबला हो रहा है। उससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि किसानों के कंधे पर रखकर कोई और बंदूक चला रहा है। यदि यह आंदोलन समूची किसान बिरादरी की आवाज होता तो अब तक दूसरे राज्यों से भी किसान दिल्ली आने लगते। और ऐसे समय जब रबी फसल तैयार होने को है और किसान का पूरा ध्यान कटाई के बाद अपनी फसल को सही समय पर बेचने में लगा हो तब उसका अपने खेत से दूर जाकर बैठ जाना चौंकाने वाला है।

किसान की आय बढ़े और खेती लाभ का व्यवसाय बने इसमें भी किसी को ऐतराज नहीं होगा। किसान की खुशहाली से ही भारत के उपभोक्ता बाजार में रौनक आती है। सड़क और बिजली पहुंचने के कारण ग्रामीण भारत की तस्वीर काफी हद तक बदल चुकी है। ऐसे में किसान समुदाय में खेती के प्रति लगाव बनाए रखने के लिए आवश्यक है उसका आर्थिक पक्ष सुदृढ़ हो। लेकिन यह एक क्रमिक प्रक्रिया है जो दबाव बनाकर पूरी करवाना संभव नहीं लगता।

भारत की आजादी के समय 70 फीसदी लोग खेती से जुड़े कामों में जुड़े थे। देश की राष्ट्रीय आय का 54 फीसदी हिस्सा भी इसी सेक्टर से आता था। लेकिन साल दर साल राष्ट्रीय उत्पाद में खेती का हिस्सा घटता चला गया। साल 2019-20 के आंकड़ों पर नजर डालें तो राष्ट्रीय उत्पाद में खेती का हिस्सा 17 फीसदी से भी कम रह गया। इसके साथ ही खेती से जुड़े लोगों की हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है। आजादी के समय 70 फीसदी लोग खेती से जुड़े थे जो अब घटकर 54 फीसदी पर आ गई है। इसमें एक आंकड़ा और भी चैंकाने वाला है. साल 2017 में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए बनाई गई समिति ने पाया है कि भले ही देश की जीडीपी में खेती की हिस्सेदारी घट रही हो लेकिन इस सेक्टर में काम करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। इसका मतलब साफ है कि खेती ही भले ही घाटे का सौदा बन रही है, लेकिन गांवों में बेरोजगारों को रोजी-रोटी देने में आज भी यही सेक्टर सबसे आगे है।

किसान को इज्जत से जीवन जीने का अधिकार है। किसान की इनकम कैसे बढ़े असली सवाल यही है, वह एमएसपी से आए ये जरूरी नहीं है। उसके और तरीके निकाले जाने चाहिए। अमेरिका में कैसे होता है, वैल्यू एडिशन पर टैक्स लगाकर उसे सरकार सब्सिडी के तौर पर दोबारा कृषि क्षेत्र में दे देती है। यह समझना चाहिए कि हम भारत में ऐसा सिस्टम क्यों नहीं बना सकते, बिल्कुल बना सकते हैं। केरल का उदाहरण, क्या दूसरे राज्य नहीं अपना सकते। एमएसपी राज्य सरकार का विषय है, वहां सुविधा दीजिए, कोई बाहर क्यों जाएगा। आजादी होनी चाहिए। बिचौलिये खत्म होने चाहिए।

जब भी कोई आंदोलन होता है और आंदोलनकारी बातचीत की मेज पर जाते हैं तो उसकी एक माँग होती है। उनका आचार व्यवहार इस तरह का नहीं हो सकता कि सब लेंगे या कुछ नहीं लेंगे। दुनिया में कोई भी आंदोलन इस तरह से नहीं होता है। आंदोलनकारी जब बातचीत की मेज पर जाते हैं तो दोनों पक्ष थोड़ा-थोड़ा अपनी पोजिशन से हटते हैं और तभी बीच का रास्ता निकलता है। आंदोलनकारियों को ये समझना होगा कि उनकी सभी बातें स्वीकार करने के बाद भी उनका क्रियान्वयन न हो तो उसका लाभ ही क्या ? इसमें कोई संदेह नहीं है कि ज्यादातर किसान अभी तक बाजारवादी अर्थव्यवस्था के साथ सामंजस्य नहीं बिठा सके। वैसे भी प्रत्येक राज्य के किसानों की समस्याएं अलग-अलग हैं। एमएसपी के बारे में भी ऐसा ही है। बेहतर हो आंदोलन कर रहे किसान इस बात को समझें, और व्यावहारिकता के धरातल पर उतरकर मांगों को मनवाने की दिशा में पहल करें।

नजरिया

भिक्षावृत्ति उन्मूलन और जनभागीदारी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

आज कल भिक्षावृत्ति की समस्या दिनों-दिन जटिल होती जा रही है। कुछ लोग तो अशक्त होने पर भीख मांगने पर मजबूर होते हैं। तीर्थ स्थानों, धार्मिक स्थलों, मंदिरों में तो यह बहुत अधिक संख्या में पाये जाते हैं। सड़कों, चौराहों, पर्यटन स्थलों और बाजारों में भी भिक्षावृत्ति का साम्राज्य है। आज भिक्षावृत्ति ने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है। दया, सहानुभूति जैसी मानवीय भावनाओं का लाभ उठा कर भिक्षावृत्ति का व्यवसाय फल फूल रहा है। गली गली घूम कर, मुहल्लों में जाकर प्रतिदिन भिखारी कुछ पाने की अपेक्षा रखते हैं। जरूरी नहीं कि जो इन्हें दिया जाये उससे वह प्रसन्न हो जायें। आजकल तो भिखारी भिक्षा भी ले लेते हैं और ताना भी मार देते हैं। हमारे देश में भिक्षा ,भीख और दान की परम्परा रही है। मगर इन तीनों में अंतर समझना जरुरी है। भीख भिखारी को सहायता के रूप में दी जाती है भीख का कोई उद्देश्य नही होता । भीख देने के लिए किसी की योग्यता-अयोग्यता भी नही देखी जाती है। भिक्षा लेने वाले से यह आशा की जाती है कि वह इसे लेकर सभी के हित के लिए कार्य करेगा या फिर स्वयं का जीवन यापन करेगा। इसी भांति दान में भी भिक्षा के ही समान लक्षण होते हैं परंतु अंतर इतना होता है कि दान देने वाला इन्ही सब कारणों व लक्षणों को ध्यान में रखते हुये स्वयं जाकर इच्छित स्थान और समय पर व्यक्ति को दान देता है। मगर अब भीख, भिक्षा और दान को एक ही तराजू पर तोला जाने लगा है जिससे इनका भेद मिट गया है।

भीख भिक्षा और दान का पात्र अब केवल भिखारी ही रह गया है और बदलते जमाने में उसे भिखारी के नाम से ही सम्बोधित किया जाने लगा है। भारत में कानूनी तौर पर भिखारी की जो परिभाषा है उसके अनुसार भिखारी वह व्यक्ति है जिसके पास जीने का कोई साधन नहीं है, ना ही उसके पास सिर छिपाने के लिए छत है। वह लाचार, असमर्थ और अपंग है। सामान्य भाषा में ऐसा व्यक्ति भिखारी कहलाता है। वर्ष 2011 की जनगणना बताती है कि देश में तीन लाख बहत्तर हजार भिखारी थे, जिनमें से 21 फीसद यानी 78 हजार भिखारी शिक्षित थे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया कि देश में भिखारियों की संख्या चार लाख तेरह हजार छह सौ सत्तर है, जिनमें पुरुषों की संख्या दो लाख बीस हजार और महिलाओं की संख्या एक लाख इक्यानबे हजार है। यह सच है कि केवल कानून के माध्यम से भिक्षावृति पर रोक नहीं लगाई जासकती। इस बुराई पर रोक के लिए समाज को आगे आकर प्रयास करने होंगे, शारीरिक रूप से लाचार लोगों को रोजी रोटी का सरकार प्रबंध करे मगर जो सक्षम है और विभिन्न कारणों से ऐसा कर रहे है उनके रोजगार का प्रबंध सरकार करे ताकि मिलजुल कर भिक्षावृति रोकी जा सके।

विशेष

पंकज उधास ने गजल गायकी को दिया था नया आयाम!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

गजल की दुनिया में अपना खास मुकाम बनाने वाले पंकज उधास का निधन म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा धक्का है। करीब चार दशक तक अपनी एक खास कशिश भरी मखमली आवाज से लाखों लोगों का दिल जीतने वाले गजल गायक पंकज उधास अब नहीं रहे। लम्बी बीमारी के बाद पंकज ने 72 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उन्होंने करीब 36 सालों तक अपनी गायिकी से इंडस्ट्री को कई सदाबहार गाने दिए हैं। जमींदार परिवार से ताल्लुक रखने वाले पंकज उधास कैसे गायक बने।

17 मई 1951 को जेतपुर में जन्मे पंकज उधास एक जमींदार परिवार से ताल्लुक रखते थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई मनहर उधास सिनेमा जगत के जाने-माने गायक थे। उनके एक और भाई निर्मल उधास भी जाने-माने गजल गायक थे। पंकज उधास को अपने बड़े भाई मनहर से गायिकी में आने का चस्का लगा। पंकज ने 1970 के दशक में गैर हिन्दू युवती के साथ अंतर्धामिक विवाह किया उस समय ऐसा करना बड़ा चुनौती भरा था। अपनी जीवन संगिनी फरीदा के साथ जान पहचान बनवाने में उनके पड़ोसी का हाथ रहा दरअसल, पंकज उधास की उनकी पत्नी फरीदा से पहली मुलाकात उनके पड़ोसी ने ही कराई थी। उस वक्त पंकज उधास ग्रैजुएशन कर रहे थे। वहीं, फरीदा एक एयरहोस्टेस थीं। पड़ोसी से कराई मुलाकात में पंकज और फरीदा की दोस्ती हो गई थी। इसके बाद दोनों की मुलाकातों का दौर शुरू हुआ। लगातार एक दूसरे के साथ डेट करने के बाद दोनों एक दूसरे के करीब आ गए और एक दूसरे को दिल दे बैठे।दोनों ने जल्द ही शादी करने का फैसला ले लिया था। लेकिन दोनों के बीच धर्म की दीवार आ खड़ी हुई थी। दरअसल, पंकज उधास हिंदू थे और फरीदा पारसी परिवार से ताल्लुक रखती थीं। ऐसे में दोनों की शादी में परेशानी आ गई थी। पंकज की फैमिली इस रिश्ते सा राजी थी लेकिन फरीदा के घरवालों उनकी इस शादी से खुश नहीं थे। लेकिन यहां पंकज दोनों परिवारो की रजामंदी से ही अपना घर बसाना चाहते थे। इसलिए दोनों ने तय की किया जब दोनों परिवार राजी होंगे तभी शादी करेंगे। हालांकि, कुछ समय बाद फरीदा के घरवालों ने भी शादी के लिए हामी भर दी और दोनों ने शादी कर ली

पकंज उदास और फरीदा की दो बेटियां है रेवा उधास और नायाब उधास। पंकज उधास के तीन भाई हैं. पंकज इन तीनों में सबसे छोटे थ। उनके दोनों भाई मनहर उधास और निर्मल उधास म्यूजिक फील्ड मे ही है। इसलिए पंकज का रुझान भी इसी तरफ गया. पंकज ने अपने करियर में कई हिट गाने गाए हैं 'चिट्ठी आई है' गाना उनका अबतक के सबसे मशहूर गाने में से एक है। पंकज उधास को फिल्मों में पहला बड़ा ब्रेक 1986 में आई फिल्म नाम से मिला था। इस फिल्म में उन्होंने 'चिट्ठी आई है' गजल गाई थी,जिसे फैंस आज भी गुनगुनाते हैं. इसके बाद उन्होंने 80 और 90 के दशक में कई फिल्मों के लिए गजल गाई थीं। साल 1990 में फिल्म घायल में उन्होंने लता मंगेशकर के साथ माहिया तेरी कसम गाना गाया था। साल 1991 में उन्होंने फिल्म साजन में 'जिए तो जिए कैसे', 1994 में मोहरा फिल्म में 'न कजरे की धार', 'चांदी जैसा रंग है तेरा, सोने जैसे बाल', 'आहिस्ता कीजिए बातें' जैसी गजलें गाई थीं. उनकी ज्यादातर गजल शराब और प्यार को लेकर थीं।

पंकज उधास ग़ज़ल की दुनिया का एक ऐसा नाम जिसने आते ही अपनी अलग आवाज से अपनी अलग पहचान बनाई और ऐसी कि उनकी ग़ज़लों ने उस दौर में धूम मचा दी थी जो आज भी संगीत प्रेमियों के द्वारा उतने ही चाव से सुनी जाती है। वरिष्ठ विचारक इंदु सिंह मानतीं हैं कि जगजीत सिंह और तलत अज़ीज के मध्य अपनी गायिकी और ठहरी हुई मद्धम स्वर लहरी से पंकज उधास ने ग़ज़ल को प्रसिद्धि दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी यही वजह कि ग़ज़ल की दुनिया में इन सबका अपना एक अलग मुकाम है और सबको उनकी अपनी गाई हुई ग़ज़ल के माध्यम से ही जाना जाता है। जिन्हें सुनकर ही श्रोतागण अपने प्रिय गायक का नाम ले पड़ते कि हर ग़ज़ल के साथ उसे गाने वाले का नाम चस्पा हो गया और जब भी कभी कहीं चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल एक तू ही धनवान है गौरी बाकी सब कंगाल ग़ज़ल हो या फिर एक तरफ उसका घर एक तरफ मयकदा बजती सुनाई दे तो मस्तिष्क में पंकज उधास का चेहरा उतर आता जो इन ग़ज़लों का पर्याय बन गया है।

इसके साथ ही फिल्मों में भी उन्होंने अपनी गायिकी का ऐसा जलवा दिखाया कि जब भी किसी फिल्म में उन्होंने कोई गीत या ग़ज़ल को गाया तो वह सुपरहिट बन गई यह उनकी आवाज और प्रस्तुति का जादू था जो सुनने वालों के सर चढ़कर बोलता था। नाम फिल्म ने उन्होंने जब अपनी आवाज में चिट्ठी आई है आई है चिट्ठी आई है बड़े दिनों के बाद हम बेवतनों को याद वतन की मिट्टी आई है गाकर प्रवासी भारतीयों के हृदय की पीड़ा को अभिव्यक्त किया तो सुनकर हर कोई रो पड़ा फिर भले वह भारत का ही रहने वाला क्यों न हो सबको शब्दों और गायिकी ने इस तरह से भीतर तक छू लिया था। साजन फ़िल्म में जिये तो जिये कैसे ग़ज़ल भी उनकी आवाज में जब बजती तो एक अलग ही प्रभाव छोड़ती जबकि, इसे एसपी बाला सुब्रमण्यम, अनुराधा पौडवाल ने भी गाया लेकिन, जब रजत पर्दे पर पंकज उधास अपनी आवाज के साथ नमूदार होते तो ग़ज़ल भी मानो जीवंत हो उठती है। न कजरे की धार गाना भी मोहरा फ़िल्म की जान बन गया और अब तलक उसको सुनने पर अपने आपको गाने से रोक पाना मुमकिन नहीं होता और पंकज उधास के सुरों के संग हम सब भी अपनी बेसुरी आवाज़ में गाना शुरू कर देते हैं।

दीवारों से मिलकर रोना अच्छा लगता है हम भी पागल हो जाएंगे ऐसा लगता है... एक ऐसी ग़ज़ल जिसके दर्द को उनकी आवाज इस तरह से दर्शाती कि अगर, किसी का अपना कोई बिछड़ गया हो तो उसे लगता कि उसकी पीड़ा को ही किसी ने शब्द दे दिए हो और स्वतः हो आंसुओं की धार लग जाती है। और आहिस्ता कीजिये बातें धड़कनें कोई सुन रहा होगा ग़ज़ल के माध्यम से उन्होंने नई पीढ़ी के युवाओं के बीच भी अपनी जगह बनाई और इस तरह उन्होंने पांच दशक तक अलग-अलग पीढ़ी व वर्ग के श्रोताओं को अपनी मधुर आवाज और सुकून देनी वाली से भाव व संगीत की लहरों से भिगोया। पंकज उधास को साल 2006 में कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार की तरफ से पद्मश्री दिया गया है. इसके अलावा उन्हें साल 1985 में बेस्ट गजल सिंगर का के.एल.सहगल अवॉर्ड मिला था. भारत के अलावा विदेश में भी उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया है। अपनी गायिकी से लोगों को दीवाना बनाने वाले पंकज उदास की संपत्ति के बारे में बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे अपने पीछे करीब 25 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति छोड़ गए हैं।

आज पंकज उधास हमारे बीच नहीं हैं लेकिन अपनी गजलों और गायकी के जरिए वह हमेशा मौजूदा व आने वाली पीढ़ी के बीच स्मृतियों में बने रहेंगे। अलविदा पंकज उधास! अब कोई चिट्ठी नहीं आएगी?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता ।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मोदी ने बच्चों के मन से भाषायी हीन भावना खत्म करने की दिशा में काम किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों के मन से भाषायी हीन भावना खत्म करने की दिशा में काम किया और लोगों में उनकी अपनी भाषा, संस्कृति, देश और धर्म के प्रति गर्व की भावना पैदा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 समेत वैश्विक मंचों पर हिंदी में भाषण देकर दुनिया को अपनी बात सुनाई। अपने लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर के कलोल में श्री स्वामीनारायण विश्वमंगल गुरुकुल द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के पिछले एक दशक में देश में चिकित्सा सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी अगले पांच साल के लिए प्रधानमंत्री बनेंगे। शाह ने कहा, पहली बार मोदी सरकार ने विद्यार्थियों के लिए उनकी मातृभाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पढ़ाई की व्यवस्था की। कम समय में, जो विद्यार्थी गुजरात में मेडिकल साइंस की पढ़ाई करना चाहते हैं, वे विश्व स्तरीय डॉक्टर बन सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों के मन से भाषाई हीन भावना को खत्म करने का काम किया। शाह ने कहा कि उन्होंने देशभक्ति की बात करने वाले भारत के नेताओं को विदेशों में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते देखा है। शाह ने कहा, आज नरेन्द्रभाई ने जी20 समेत वैश्विक मंचों को हिंदी में संबोधित करके पूरी दुनिया को अपनी बात सुनाई। उन्होंने जनता में उसकी अपनी भाषा, संस्कृति, देश और धर्म के प्रति गर्व पैदा करने का काम किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार देश के युवाओं को भरोसा है कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष पूरा करेगा, तब भारत दुनिया में शीर्ष पर होगा। उन्होंने कहा, 2047 में यहां बैठे युवा देखेंगे कि विदेशों में लोग भारतीय वीजा के लिए कैसे लाइन लगाएंगे। मोदी के नेतृत्व में इस तरह का भारत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 70 वर्षों में देश में सात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बने जिनकी संख्या मोदी सरकार के 10 वर्षों में बढ़कर 23 हो गई। उन्होंने कहा कि जब देश ने आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाया तो मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 706 हो गई। इसी तरह मेडिकल सीट की संख्या 51,000 से बढ़कर 1.07 लाख हो गई। शाह ने कहा कि स्नातकोत्तर सीट की संख्या 31,000 से बढ़कर 70,000 हो गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने उच्च शिक्षा के स्तर में सुधार किया, इसे विश्व स्तरीय बनाने के लिए पाठ्यक्रम में सुधार किया और युवाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

शाह ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप लाखों युवाओं ने स्टार्ट-अप शुरू किया और दुनिया में भारतीय ध्वज को ऊंचा फहराया और यह सब पिछले 10 वर्षों में हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों की संख्या 75 से बढ़कर 165 हो गई है जो दोगुने से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि इस अवधि में सरकारी विश्वविद्यालय 316 से बढ़कर 480 हो गए, तकनीकी विश्वविद्यालय 90 से बढ़कर 188 हो गए और कॉलेजों की संख्या 38,000 से बढ़कर 53,000 हो गई।

अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर एक मार्च को श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा

अबू धाबी।अबू धाबी में बना पहला हिंदू मंदिर एक मार्च से श्रद्धालुओं के लिए खोला जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में इस मंदिर का उद्घाटन किया था। मंदिर प्रशासन ने यह जानकारी दी। मंदिर के एक प्रवक्ता ने कहा, मंदिर एक मार्च से सुबह नौ बजे से रात आठ बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। प्रत्येक सोमवार को मंदिर दर्शनार्थियों के लिए बंद रहेगा। बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल राहबा के पास 27 एकड़ क्षेत्र में करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। बीएपीएस के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहारीदास ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था, यहां वास्तुशिल्प पद्धतियों को वैज्ञानिक तकनीकों के साथ जोड़ा गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर 300 से अधिक उच्च तकनीक वाले सेंसर लगाए गए हैं।

मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए कंक्रीट मिश्रण में 55 प्रतिशत सीमेंट की जगह राख का उपयोग किया गया है। मंदिर के निर्माण प्रबंधक मधुसूदन पटेल ने कहा था, हमने परंपरागत सौंदर्य वाली पत्थर संरचनाओं और आधुनिक समय के शिल्प को मिलाते हुए तापमान रोधी सूक्ष्म टाइल्स और कांच के भारी पैनलों का इस्तेमाल किया है।

'प्रधानमंत्री मोदी के स्कूबा डाइविंग करने से द्वारका विश्व मानचित्र पर आया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर। गुजरात सरकार के मंत्री हर्ष सांघवी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्कूबा डाइविंग ने द्वारका को विश्व मानचित्र पर ला दिया है जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सांघवी ने कहा कि द्वारका गूगल पर सबसे ज्यादा खोजा जाने वाला शब्द बन गया है क्योंकि साहसिक कार्य, धर्म और संस्कृति में रुचि रखने वाले लोग इस जगह के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 25 फरवरी को द्वारका के पास पंचकुई समुद्र तट पर स्कूबा डाइविंग की थी। उन्होंने कहा था कि जलमग्न द्वारका नगरी में प्रार्थना करना एक बहुत ही दिव्य अनुभव था। 'स्कूबा डाइविंग' बेट द्वारका द्वीप के पास द्वारका के तट पर कराई जाती है, जहां लोग पुरातत्वविदों द्वारा खोजी गई 'समुद्र में डूबी' प्राचीन द्वारका के मौजूद अवशेषों को देख सकते हैं। सांघवी ने कहा, प्रधानमंत्री के दौरे के बाद, द्वारका में होटल और पर्यटन उद्योग में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि दुनिया भर के लोग द्वारका के महत्व के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। वे गूगल से इस पवित्र शहर के बारे में जानकारी एकत्रित कर रहे हैं।

आने वाले दिनों में द्वारका आने वाले लोगों के लिए कमरे उपलब्ध नहीं होंगे। खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां और परिवहन विभाग संभालने वाले सांघवी ने कहा, होम-स्टे योजना के तहत द्वारका में उपलब्ध कमरों की संख्या मौजूदा 7,000 से बढ़ जाएगी। आने वाले दिनों में, बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 14,000 होमस्टे कमरे भी कम पड़ जाएंगे। सांघवी ने कहा कि मोदी की स्कूबा डाइविंग के कारण भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने जलमग्न द्वारका शहर और इसके सांस्कृतिक महत्व के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि द्वारका में रियल एस्टेट सेक्टर में भी तेजी देखने को मिलेगी और उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे अभी अपनी जमीन या घर न बेचें, बल्कि कीमतों में बढ़ोतरी का इंतजार करें।

मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री के दौरे के बाद, द्वारका गूगल पर सबसे अधिक खोजा जाने वाला शब्द बन गया है क्योंकि साहसिक कार्य, धर्म और संस्कृति में रुचि रखने वाले लोग इस जगह के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। होटल मालिकों ने मुझे बताया कि होम-स्टे भी पूरे साल 90 से 100 प्रतिशत भरे रहेंगे। मैं गुजरात के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं। समुद्र में गोता लगाने से पहले, मोदी ने गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में बेट द्वारका द्वीप को मुख्य भूमि ओखा से जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे केबल-आधारित पुल 'सुदर्शन सेतु' का उद्घाटन किया था। सांघवी ने पुल के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए कहा, प्रधानमंत्री ने आजादी के 75 साल बाद बेट द्वारका के लोगों को वास्तविक आजादी दी क्योंकि निवासी इन वर्षों में मुख्य भूमि तक पहुंचने के लिए नौका सेवा पर निर्भर थे।

इस अवसर पर, सांघवी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों से बेट द्वारका तक पहुंचने के लिए गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के चार नए मार्गों की घोषणा की। उन्होंने द्वारका और बेट द्वारका के बीच सुबह 5 बजे से देर रात तक आने-जाने के लिए हर एक घंटे पर चलने वाली एक शटल बस सेवा शुरू करने की घोषणा भी की। सांघवी ने कहा कि उनके विभाग ने राजस्व विभाग से बस डिपो बनाने के लिए बेट द्वारका में जमीन आवंटित करने का आग्रह किया है।

बंधकों की रिहाई का समझौता हुआ तो हमले रोकने को तैयार है इजराइल: बाइडन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि यदि हमास द्वारा बंधक बनाकर रखे गए लोगों की रिहाई को लेकर कोई समझौता हो जाता है तो इजराइल रमजान के दौरान गाजा में आतंकवादियों के खिलाफ हमले रोकने को तैयार है। अमेरिका, मिस्र और कतर के वार्ताकार एक ऐसा समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं जिसके तहत फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और युद्ध में छह सप्ताह के विराम के बदले में हमास कुछ बंधकों को रिहा करेगा। हालांकि, बाइडन की टिप्पणियों पर तत्काल इजराइली प्रतिक्रिया नहीं आई है। अस्थायी संघर्ष विराम के दौरान शेष बंधकों और इज़राइल द्वारा रखे गए अतिरिक्त फलस्तीनी कैदियों की रिहाई पर बातचीत जारी रहेगी। दस मार्च के आसपास शुरू होने वाले रमज़ान को संघर्ष विराम समझौते के लिए एक अनौपचारिक समय सीमा के रूप में देखा जा रहा है। यह महीना दुनिया भर के करोड़ों मुसलमानों के लिए अत्यधिक धार्मिक महत्व वाला और सुबह से शाम तक उपवास का समय होता है। अतीत में इस पवित्र माह के दौरान इजराइल-फलस्तीनी तनाव बढ़ा है। बाइडन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि संघर्ष विराम समझौता अगले सप्ताह तक प्रभावी हो सकता है। बाइडन ने कहा, रमजान आ रहा है और इजराइलियों ने एक समझौता किया है कि वे रमजान के दौरान गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे, ताकि सभी बंधकों को बाहर निकालने का समय मिल सके। इस अस्थायी विराम के दौरान शेष बंधकों की रिहाई पर बातचीत जारी रहेगी। अगर आगामी दिनों में कोई समझौता हो जाता है, तो युद्ध विराम की इस अवधि में रमजान भी शामिल होगा।

प्रदर्शन

रांची में मंगलवार को झारखंड विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान जेएसएससी पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा विधायकों ने झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

मेरी बेटियों ने मुझे एनिमल देखने को मना किया : खुशबू सुंदर

मुंबई/एजेन्सी

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल को रिलीज हुए ढाई महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है लेकिन अभी भी सुर्खियों में है। मूवी 1 दिसंबर 2023 को रिलीज हुई थी। इसने बंपर कमाई की, अवॉर्ड जीते और कॉन्ट्रोवर्सी में भी रही। मूवी के कॉन्टेंट पर कई लोग आपत्ति जता चुके हैं। अब एक्टर-पॉलिटीशियन खुशबू सुंदर भी इस पर बोली हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उनसे जब एनिमल फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इंट्रेस्टिंग बात बताई। खुशबू बोलीं कि उनकी बेटियों ने मना किया था कि वह यह फिल्म न देखें। खुशबू सुंदर टीवी9 की समिट में थीं। वहां उन्होंने बताया कि रणबीर कपूर स्टारर मूवी एनिमल उन्होंने नहीं देखी है। खुशबू बोलती हैं, नैशनल कमिशन फॉर विमिन के सदस्य के तौर पर मैंने कई हैरासमेंट, प्रताड़ना, मैरिटल रेप और ट्रिपल तलाक के केसेज देखे हैं जबकि यह गैरकानूनी है। खुशबू बोलती हैं, अगर एनिमल जैसी महिला विरोधी फिल्म कमाई कर रही है, बॉक्स ऑफिस गॉर्सर में से एक है तो हमें उन लोगों के दिमाग के बारे में सोचना चाहिए जिन्होंने फिल्म को सक्सेसफुल बनाया। खुशबू ने कहा कि इसमें निर्देशक की गलती नहीं है। वह बोलती हैं, 'हमें कबीर सिंह और अर्जुन रेड्डी से दिक्कत थी। पर मैं डायरेक्टर को दोष नहीं देती, क्योंकि उनके लिए मैं सोचती हूं कि मूवी की सफलता ही मायने रखती है। हम फिल्मों में वही दिखा रहे हैं जो फिल्मों में दिख रहा है। हम महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं फिर भी ऐसी फिल्में देखते हैं।' खुशबू ने कहा, 'मैं नहीं चाहती थी कि मेरी बेटियां ये फिल्म देखें।

जून में रिलीज होगी अजय देवगन-तब्बू की फिल्म 'औरों में कहां दम था'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और अभिनेत्री तब्बू की आने वाली फिल्म 'औरों में कहां दम था' जून में रिलीज हो सकती है। बॉलीवुड निर्देशक नीरज पांडे अपनी आने वाली फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 'औरों में कहां दम था' अपने पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। 'औरों में कहां दम था, रोमांटिक म्यूजिकल लव स्टोरी है। नीरज पांडे ने कहा कि यह फिल्म जून में रिलीज होगी। हम फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करने के लिए हम जल्द ही एक टीजर और ट्रेलर लाएंगे'। फिल्म 'औरों में कहां दम था' पहले 26 अप्रैल, 2024 को रिलीज होने वाली थी। इस फिल्म में अजय देवगन ,तब्बू जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर समेत कई कलाकार हैं।

19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान और उनकी पत्नी को अभ्यारोपित किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक जवाबदेही अदालत ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 19 करोड़ पाउंड के अल-कादिर भ्रष्टाचार मामले में अभ्यारोपित किया। न्यायाधीश नासिर जावेद राणा ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में सुनवाई की जहां 72 वर्षीय पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक वर्तमान में कई मामलों में कैद हैं। न्यायाधीश ने अदालत कक्ष में खान और बुशरा की उपस्थिति में आरोपपत्र पढ़ा। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अल कादिर विश्वविद्यालय ट्रस्ट के नाम पर सैकड़ों कैनाल भूमि के कथित अधिग्रहण के संबंध में खान, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को 19 करोड़ पाउंड का नुकसान हुआ था।

जियो न्यूज ने खबर दी कि सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि इस मामले में 58 गवाहों के बयान रिकॉर्ड किये जाएंगे।

'नाम' फिल्म में 'चिट्ठी आई है' गीत गाने के इच्छुक नहीं थे पंकज उधास : महेश भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

जिस फिल्मी गीत 'चिट्ठी आई है' ने रातोंरात गजल गायक पंकज उधास को हिंदी फिल्म उद्योग में कीर्ति के शिखर पर पहुंचा दिया, दरअसल वह शुरू में इस गाने को गाने के लिए तैयार ही नहीं थे और इसके लिए उन्हें राजी करने में बहुत मशक्कत करनी पड़ी थी। यह खुलासा मशहूर फिल्मकार महेश भट्ट ने किया। यह गाना महेश भट्ट की ही फिल्म 'नाम' का है। 'चिट्ठी आई है' गीत से उधास को प्रसिद्धि मिली और 1986 की फिल्म 'नाम' के इस गीत के जरिये उनकी विशेष पहचान बनी। उधास का 72 साल की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में सोमवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। भट्ट ने कहा कि पंकज उधास का नाम पटकथा लेखक सलीम खान ने सुझाया था। फिल्मकार ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वे गीत के लिए गजल गायक को मनाने में सफल हुए और आखिरकार यह गीत फिल्म की जान बन गया।

फिल्म में उधास खुद एक समारोह में 'चिट्ठी आई है' गीत गाते हुए दिखाई देते हैं। यह गीत आनंद बक्शी ने लिखा था और संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने तैयार किया था। भट्ट ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ' उधास एक गायक थे और उन्होंने सामने बैठे दर्शकों के लिए गाना गाया था। इसको लेकर वह शुरू में अनिच्छुक थे। वह (उधास) इस बात को लेकर असमंजस में थे कि क्या वह इसे ठीक से कर पाएंगे। हम उनकी जगह किसी और को नहीं दिखाना चाहते थे। मैंने उनसे बस इतना कहा (सोचिए) कि आप सिंगापुर या लंदन में अपना कोई शो कर रहे हैं और मंच पर गाना गा रहे हैं। यही एकमात्र तरीका था, जिससे हम गाना शूट कर पायेंगे।' उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मैं और सरोज खान (फिल्म में कोरियोग्राफर)- हम लंबे समय तक शूटिंग किया करते थे क्योंकि वह उन कलाकारों में शामिल नहीं थे जो टुकड़ों में शूटिंग करने के आदी हैं, बल्कि उन्हें जब लंबे समय के लिए प्रदर्शन करने का मौका मिलता था तब वह अपनी रौ में आ पाते थे।'' निर्देशक ने कहा, ''फिल्म 'नाम' के बारे में सोचिये और फिर 'चिट्ठी आई है' का ख्याल दिल में लाइए। आप धड़कन को दिल से अलग नहीं कर सकते।' भट्ट ने कहा, 'मैं संजय दत्त से बातचीत कर रहा था और हम दोनों गीत की शूटिंग के उन दिनों को याद कर रहे थे, खासकर उनकी (उधास) मौजूदगी के बारे में। वह (उधास) हवाई अड्डे से सीधा सेट पर आए और बिना रुके शूटिंग कर अपने शो के लिए निकल गये। उनके (उधास) जैसे व्यक्ति के साथ संपर्क होना मेरे लिए खुशकिस्मती है।

चंद सिक्कों में खरीदी गई हैरी पॉटर किताब की शुरुआती प्रति लाखों रुपये में बिकी

लंदन। करीब 30 साल पहले पुरानी किताबें बेचने वाली एक दुकान से महज कुछ रुपयों में खरीदी गई हैरी पॉटर श्रृंखला के पहले उपन्यास की शुरुआती प्रति (प्रूफ कॉपी) नीलामी में 11,000 पाउंड (करीब 11.5 लाख रुपये) में बिकी। ब्रिटिश नीलामीकर्ता हैनसन ने सोमवार को बताया कि 'हैरी पॉटर एंड द फिलोसोफर्स स्टोन' के प्रथम संस्करण की प्रति 1997 में दक्षिण लंदन की एक दुकान से दो अन्य पुस्तकों के साथ कुल 40 पेंस (आज की दर से करीब 41 रुपये) में खरीदी गई थी। इस प्रति के आवरण पृष्ठ पर 'असंशोधित प्रूफ कॉपी' लिखा है। हैनसन ने इस पुस्तक को खरीदने वाली महिला का नाम सार्वजनिक नहीं किया। उसने कहा कि विक्रेता ने इस पुस्तक को अन्य पुस्तकों के साथ यूं ही खरीद लिया था और खरीदने के बाद भी उसने कई वर्षों तक इसे नहीं पढ़ा या उस पर ध्यान नहीं दिया। उसे कई साल बाद ऑनलाइन जानकारी मिली कि हैरी पॉटर की प्रतियां अत्यधिक उंचे दामों पर बिक रही हैं।

यह पुस्तक बुधवार को ब्रिटेन के एक व्यक्ति को 11,000 पाउंड में बेची गई। नीलामी संस्थान के पुस्तक विभाग के प्रमुख जिम स्पेंसर ने कहा कि इस प्रति के अंदर के शीर्षक पृष्ठ पर लेखिका का नाम जे.के. रोलिंग के बजाय गलती से'जे ए रोलिंग' लिखा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | बुधवार | 28-02-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्वउद्यमियों के लिए जीतो यूथ साऊथ चैप्टर ने ' स्टार्टअप कम्यून ' कार्यक्रम का आयोजन किया। सोमवार शाम को शहर के ईआईएमआर सभागार में हुए इस नेटवर्किंग आयोजन में स्टार्टअप जगत से जुडे जिसमें कामयाब लोगों के मुलाकात करने का मौका मिला।

प्रभु भक्ति के लिए राम नाम जाप अति आवश्यक है : संत राजेन्द्रदास

बजाज परिवार के निवास पर हुआ सत्संग कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जाने माने समाजसेवी व उद्यमी सुनील बजाज के जयनगर स्थित निवास पर मंगलवार को सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें श्रीमद जगदगुरु द्वाराचार्य श्रीमलूक पीठाधीश्वर स्वामीश्री राजेन्द्रदास देवाचार्यजी महाराज ने प्रवचन दिए। स्वामीश्री राजेन्द्रदासजी ने कहा कि जीवन में मुहूर्त का बहुत महत्त्व होता है अर्थात कोई भी कार्य सही समय पर किया जाना चाहिए। मुहूर्त का अपना एक महत्त्व होता है, सही समय पर किया गया काम सही परिणाम देते है। स्वामीजी ने कहा कि संसार में जब कोई कार्य शेष नहीं रह जाए तब संसार को छोड़ देना चाहिए अर्थात जब कोई काम न हो तो अपने आप को प्रभु को समर्पित कर देना चाहिए। संसार की आग से बचने के लिए प्रभु की शरणागति ही सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। भगवान की शरण में हमेशा आर्द्ध भाव (सभ भाव) से जाना चाहिए तभी जीवन का होना सफल होता है। स्वामीजी ने नाम जाप की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रभु भक्ति के लिए नाम जाप अति आवश्यक है। रनाम जाप का कोई समय नहीं होता अपितु हर समय नाम जाप का होता है।

श्रीमलूकपीठाधीश्वर स्वामीजी ने कहा कि सनातन व हिन्दू धर्म में अनेक ग्रंथ, वेद, श्लोक व धार्मिक ग्रंथ है जो कि हमारे हिन्दू व वैदिक धर्म को सबसे अमीर धर्म बनाता है। हमारे धर्म में ज्ञान की अकूत सम्पदा है। स्वामीजी ने कहा कि जीवन में नाम जाप, आहार शुद्धि और सत्संग ही जीवन के मुख्य आधार है और इन तीनों से ही जीवन का कल्याण होता है। राजेन्द्रदासजी ने गायों के संरक्षण की बात कहते हुए कहा कि यदि हम सभी समाज के लोग स्वयं से गौसेवा व गौसंरक्षण का कार्य करने लगे तो हमें गौरक्षा के लिए किसी सरकार की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संसार व सृष्टि का मूल होती है गाय। यदि हमें इस सृष्टि को बचाना है तो सबसे पहले हमें गाय को बचाना होगा क्योंकि पूरी सृष्टि का आधार है गाय। इस सत्संग में अन्य संतों ने भजनों की प्रस्तुति भी दी। बजाज परिवार की शकुंतलादेवी, सुनील बजाज दम्पति ने स्वामीजी का स्वागत कर उनके आगमन को अपना सौभाग्य बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने कतारबद्ध होकर स्वामीजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

स्टार्टअप सफ़र की गति-प्रगति के लिए जीतो यूथ साऊथ ने आयोजित किया कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वउद्यमियों के लिए जीतो यूथ साऊथ चैप्टर ने ' स्टार्टअप कम्यून ' कार्यक्रम का आयोजन किया। सोमवार शाम को शहर के ईआईएमआर सभागार में हुए इस नेटवर्किंग आयोजन में स्टार्टअप जगत से जुडे जिसमें कामयाब लोगों के मुलाकात करने का मौका मिला। इस कार्यक्रम में नए कारोबार को कामयाबी के शिखर पर ले जाने के लिए उचित साझेदारी, उन्नत तकनीक की ज़रूरत जैसे पहलुओं पर भी प्रकाश डाला गया। संस्था के चेयरमैन पिंकेश मेहता ने जीतो सदस्यों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया ।

प्रोजेक्ट समन्वयक प्रतीक गांधी ने अपने विचार व्यक्त किए और स्टार्टअप की महत्ता पर ज़ोर दिया।

सत्र में ब्लेक कंपनी के सह-संस्थापक आशुतोष सिंह, शेल्फ़पे के सह-संस्थापक पारस राजपूत, फूरोरे के सह-संस्थापक विभोर सरण और फिन्स्टेक के सह-संस्थापक धवल पटेल ने अपनी स्टार्ट अप यात्रा के उतार चढाव और अनुभवों को साझा किया। वक्ताओं ने कंपनी में फंड बढाने, स्टार्ट अप की राह में चुनौतियों आदि विषयों पर चर्चा की।

इस कार्यक्रम में जीतो मुख्य चेप्टर से कोमल भंडारी, सुनील मेहता सहित सहसचिव अक्षिता जैन, उपचेयरमैन हितेश जैन, यक्ष मेहता, दीक्षा भंसाली, स्पर्श दांतेवाड़िया, रीद्धि मांडोत, दिया भंडारी, रोनक मेहता उपस्थित थे ।

उपप्रवर्तक नरेशमुनि के सान्निध्य में होंगे अक्षय तृतीया के पारणे

बैठक में पारणा संबंधित अनेक विषयों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक हुई जिसमें उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी के सान्निध्य में 10 मई को होने वाले अक्षय तृतीया पारणे के संबंध में चर्चा हुई। इस बैठक में राष्ट्रसंत उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी के संयम शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में क़रीब 100 वर्षीतप के पारणे करवाए जाएंगे जिसमें नरेशमुनिश्रीजी स्वयं का 34वां वर्षीतप पारणा होगा। बैठक में विभिन्न साधु साध्वियों की उपस्थित में पारणा महोत्सव मैसूरु रोड स्थित तुलसी महाप्रज्ञ केन्द्र में कराने का निश्चय किया गया है। बैठक में मीठालाल भंसाली, नेमीचन्द सालेचा, दीपचन्द भंसाली, महावीर धारीवाल, महावीर मेहता, अशोक रांका, प्रवीण नेतानी, दिनेश चौपड़ा, सुरेन्द्र गुलेच्छा, विनोट भुरट सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। ट्रस्ट के सदस्य महावीरचन्द मेहता ने बताया कि उप प्रवर्तक नरेशमुनिजी रविकिरण अपार्टमेन्ट में, उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी यशवंतपुर स्थानक में, साध्वी प्रतिभाश्रीजी व आस्थाश्रीजी गणो बाग में तथा उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाश्रीजी मनोहरलाल डूंगरमल के निवास पर विराजित है।

विनयांजलि सभा में दिगम्बर संत आचार्यश्री विद्यासागर के गुणों को किया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों दिवगंत हुए दिगम्बर संत आचार्यश्री विद्यासागरजी म.सा. की स्मृति में यलहंका स्थित नवीन त्रिमूर्ति जैन मंदिर के पंचकल्याणक महोत्सव के मौके पर मुनिश्री कुंथुसागरजी म.सा. के सान्निध्य में विनयांजलि सभी का आयोजन किया जिसमें दिगंबर जैन समाज के अनेकलोग और सभी मंदिरों के समितिओं के पदाधिकारियों ने संतों के गुणों को याद करते हुए विनयांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आईएएस मनोज पाटनी, कर्नाटक जैन एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रसन्नाय्या, खंडेलवाल जैन समाज के अध्यक्ष अनिल

सेठी, चक्रेश्वरी महिला समाज की अध्यक्ष नागाश्री, ज्ञानोदय जैन समाज के अध्यक्ष जम्बू कुमार जैन

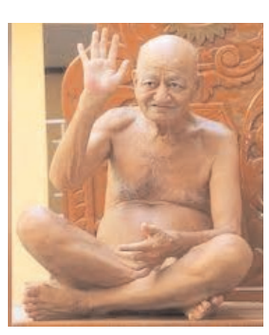

और अन्य लोगों ने संतश्री को भावांजलि अर्पित की तथा अपने अपने तरीके से उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन धीरज भैय्या, ज्ञानोदय ट्रस्ट के राकेश बरया और चक्रेश्वरी समाज की जयापद्मा ने किया। इस मौके पर गुरुजी की जन्मस्थली सदलगा के ऊपर एक लघु फिल्म और उनकी जीवन यात्रा से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री का भी प्रसारण किया गया।

निशुल्क रेकी कार्यशाला में लाभान्वित हुए 29 लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के स्वरांजलि संस्था और श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक ट्रस्ट हनुमंतनगर के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय रेकी कार्यशाला का आयोजन चौरडिया भवन में किया गया जिसमें रेकी विशेषज्ञ अंजना जैन ने लगभग 29 लोगों को निशुल्क प्रशिक्षण दिया। अंजना जैन ने उपस्थित जनों को मानव शरीर की ऊर्जा को चालित करने की तकनीक बताई। इस आयोजन में लोगों को रेकी के पहले स्तर का प्रशिक्षण दिया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को होलिस्टिक चिकित्सा और व्यक्तिगत विकास के क्षेत्र में सशक्त करना था।

उत्साहवर्धन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के यूएंडआइ फॉर एवरी चिल्ड्रन द्वारा प्रोजेक्ट परी के तहत चंद्रा लेआउट स्थित नोवा स्पोर्ट्स स्टेडियम में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें 100 से भी ज्यादा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संगठन खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से इससे अर्जित धन को साक्षरता अभियान में उपयोग करता है यह एक अच्छी पहल है। विजेता प्रतिभागियों को मुणोत ने पुरस्कृत किया।

उत्तराखंड महासंघ का 'रंगीलो पहाड़ होली महामहोत्सव' 24 मार्च को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उत्तराखंड महासंघ के तत्वावधान में 24 मार्च को 'रंगीलो पहाड़ होली महामहोत्सव' का आयोजन केआरपुरम स्थित आईटीआई फुटबॉल ग्राउंड पर किया जा रहा है। इस आयोजन में उत्तराखंड के लोकगायक किशन महिपाल, गजेंद्र राणा, मेघना चंद्रा और बीके सामंत होली के गीतों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर पहाड़ी व्यंजनों की उपलब्धता रहेगी। उसी दिन महासंघ लायंस क्लब के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। महासंघ के पंडित हेमचंद्र जोशी सभी उत्तराखंड प्रवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

ज्ञापन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन के के सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा और जोगेश जैन ने बेंगलूरु मध्य के सांसद पी सी मोहन व केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए उनके निजी सहायक को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में एसएसएमई कानून की जटिलता एवं धारा 43 बी (एच) के प्रावधान में संशोधन हेतु मांग की गई। खागा ने अपने ज्ञापन में वित्त मंत्री से लघु एवं मध्यम व्यापारियों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए इस कानून में राहत प्रदान करने की मांग की ।

जीवन में समता भाव का होना अति आवश्यक : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिव्वमोग्गा। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर जैन संघ से आचार्यश्री महेन्द्रसागसूरीश्वरजी ने दावणगेरे की ओर विहार के दौरान अपने प्रवचन में कहा कि अगर हम समता से रहना सीख लेंगे तो कई पाप कर्मों के फल नष्ट हो जाते है। सहन करने का भी लाभ है। जो सहन करने के क्षणों में स्वस्थता बनाए, सहजता से सहन कर ले, तो फिर भविष्य में शायद सहन करने की स्थिति नहीं आती है। पर यह बात सच है कि इच्छा बिना और मुंह बिगाड़कर सहन करने से कर्मो का क्षय नहीं होता। सहन करने से पाप कर्म का खाता कम होता है यह विचार करे तो समता संभव है।

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने दो चुनावी 'गारंटी' लागू की

हैदराबाद/दक्षिण भारत। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने मंगलवार को अपनी दो चुनावी 'गारंटी' लागू कीं, जिसमें 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति और गरीबों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना शामिल है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने यहां राज्य सचिवालय में इन योजनाओं की शुरुआत की। सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर और बिजली आपूर्ति योजना का नाम क्रमशः 'महालक्ष्मी' और 'गृह ज्योति' है। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पिछले साल सितंबर में तेलंगाना के लोगों के लिए छह चुनावी 'गारंटी' की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो योजनाओं – सरकारी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा और राजीव आरोग्य श्री (गरीबों के लिए 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य योजना) – का कार्यान्वयन पिछले साल दिसंबर में उनकी सरकार के सत्ता संभालने के 48 घंटों के भीतर किया गया था। रेड्डी ने कहा कि तत्कालीन संप्रग सरकार ने जहां 400 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का कार्यक्रम लागू किया था, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत लगभग 1,200 रुपये तक पहुंचा दी।

तमिलनाडु में सीटों के बंटवारे को 3 मार्च को दिया जाएगा अंतिम रूप

चेन्नई/दक्षिण भारत। आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए डीएमके सक्रिय हो चुकी है। पार्टी जल्द ही अपने गठबंधन के घटक दल सीपीआई के साथ 3 मार्च को सीट आवंटन पर फैसला करेगी। पार्टी ने गत 2019 का लोकसभा चुनाव डीएमके के साथ मिलकर तिरुपुर और नागपट्टिनम सीट पर लड़ा था। यह दोनों ही पार्टियां गत लोकसभा चुनाव में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन का हिस्सा थीं, लेकिन अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन चुकी हैं।

वहीं, सीपीआई लोकसभा पार्टी के नेता और तिरुपुर से सांसद, के. सुब्बारायण ने मंगलवार को आईएएनएस को बताया कि पार्टी आगामी 3 मार्च को डीएमके के साथ मिलकर सीट शेयरिंग पर फैसला करेगी। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया कि क्या सीपीआई को वही सीटें मिलेंगी, जिन पर उसने 2019 में चुनाव लड़ा था और जीता था या क्या निर्वाचन क्षेत्रों में कोई बदलाव हुआ है।

द्रमुक ने मौजूदा कोयंबटूर लोकसभा सीट सीपीआई (एम) को आवंटित करने से इनकार कर दिया है और इसके कारण दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा बाधित हो गई है।

तेयुप राजाजीनगर ने की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के सदस्यों ने विश्व एनजीओ दिवस के उपलक्ष्य में गोलाहल्ली स्थित सेवालया चिल्ड्रन्स होम द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद सोशल सर्विस ट्रस्ट में दैनिक उपयोग में काम आने वाली वस्तुओं जैसे प्रेशर कुकर, मिक्सर ग्राइंडर एवं राशन सामग्री प्रदान कर सेवा कार्य किया। इस आश्रम में 20 निराश्रित बच्चों की देख भाल की जा रही है। इस अवसर पर तेयुप से जयंतीलालगांधी, अरविंद कोठारी, जितेश दक एवं अभिषेक पीपाड़ा ने सेवा कार्य सहयोग किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com